सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 225 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 29 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिरा, टीटीई समेत 3 घायल

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-5 का टिन शेड शुक्रवार सुबह 8 बजे गिर गया। हादसे में टीटीई और 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। आरपीएफ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसी प्लेटफॉर्म पर हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस (13037) पहुंच गई थी, जिसे बाद में रुकवा लिया गया। अधिकारियों ने मौके पर क्रेन मंगवाई, जिससे टिन शेड का नीचे गिर चुका हिस्सा बाहर निकाला जा रहा है। ष्ठक्रूसुनील कुमार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि स्टेशन का रेनोवेशन चल रहा है। इस वजह से प्लेटफार्म नंबर- 5 के टिन शेड का सपोर्ट कमजोर हो गया था। यानी, जिन पिलर्स के सहारे और रेलिंग से वह कसा था, उसे कुछ जगहों से खोल दिया गया था। इसके चलते टिनशेड गिर गया।

छत्तीसगढ़- 500 तहसीलदारों की हड़ताल, विधायक की गिरफ्तारी की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 500 से ज्यादा तहसीलदार शुक्रवार को हड़ताल पर रहे। सरगुजा जिले के सीतापुर से भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो पर नायब तहसीलदार को पीटने का आरोप है। काम बंद कर अधिकारियों ने विधायक की गिरफ्तारी की मांग की है। रायपुर, रायगढ़ और सरगुजा में तहसीलदारों की हड़ताल से राजस्व कामकाज प्रभावित हुआ है। बता दें कि, सरगुजा में राजापुर उप तहसील के नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने विधायक और उनके समर्थकों पर पीटने का आरोप लगाया है, जिसके बाद विधायक समेत 10 लोगों पर स्नढ्ढक्र हुई है। वहीं, विधायक की बहन ने भी नायब तहसीलदार पर आरोप लगाया कि, तुषार मानिक ने फाइल फेंकी और बदसलूकी कर उन्हें ऑफिस से बाहर निकाला, इस बात को लेकर ही विवाद हुआ। थाने में शिकायत के बाद तुषार मानिक पर भी एफआईआर हुई है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

कवर्धा में चार जुआरी गिरफ्तार, 2 लाख से ज्यादा कैश जब्त

कवर्धा। शहर के करपात्री चौक स्थित एक मकान में संचालित हो रहे जुए के फड़ पर कबीरधाम पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए चार जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 2 लाख 13 हजार रुपये नकद, ताश और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपी पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान साइबर सेल व कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि करपात्री चौक के पास स्थित प्रवीण वैष्णव के मकान में बड़े स्तर पर जुए का फड़ संचालित किया जा रहा है। एसडीओपी आशीष शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस ने मकान की घेराबंदी कर दबिश दी। छापेमारी के दौरान मौके पर जुआ खेलते हुए सम्मी केशरवानी, आकाश शिवहरे, रोहित जांगड़े और रामचरण साहू को गिरफ्तार किया गया।

तेल कंपनियों ने छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के निरंतर स्टॉक की दी गारंटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के निरंतर स्टॉक की गारंटी दी है। प्रदेश में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मई 2026 के दौरान राज्य में पेट्रोल की खुदरा बिक्री में 8 फीसदी और डीजल में 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस उल्लेखनीय प्रगति और राज्य भर में आम जनजीवन की सुचारू दिनचर्या के पीछे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की चौबीसों घंटे की असाधारण तैयारी है। यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ के प्रत्येक उपभोक्ता के लिए मोटर स्पिरिट (पेट्रोल), हाई-स्पीड डीजल और एलपीजी की दैनिक उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति की निरंतरता की गारंटी देती है।

खपत का यह है कारण

राज्य भर में डीजल की खपत में 15 फीसदी की यह भारी बढ़ोतरी और पेट्रोल में 8 फीसदी की वृद्धि मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्रों में सीजन की चरम कृषि गतिविधियों के कारण हुई है। इसके साथ ही, क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा अन्य वैकल्पिक निजी ईंधन आपूर्तिकर्ताओं और पीएसयू डीलरों के बीच कीमतों में अंतर होने की वजह से संस्थागत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का रुझान सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेल आउटलेट्स (पेट्रोल पंपों) की तरफ तेजी से बढ़ा है, जिससे मांग में यह तीव्र उछाल आया है। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे ईंधन की सटीक उपलब्धता की जानकारी के लिए केवल अधिकृत तेल विपणन कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के आधिकारिक बयानों पर ही भरोसा करें।

पीएम आवास योजना-ग्रामीण को मिली नई गति

छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों को 10000 करोड़ से अधिक की मदद सैंक्शन जारी

मुख्यमंत्री साय ने कहा -'हर गरीब को पक्का घर' के संकल्प को साकार करने तेजी से हो रहा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों को 10,021 करोड़ से अधिक की मदर सैंक्शन जारी किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसका स्वागत करते हुए इसे गरीब कल्याण, सम्मानजनक जीवन और अंत्योदय के संकल्प को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण निर्णय बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'हर गरीब को पक्का घर' का संकल्प तेजी से धरातल पर साकार हो रहा है और यह निर्णय ग्रामीण गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला सिद्ध होगा।

सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया आधार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केवल आवास निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया आधार निर्मित करने वाली परिवर्तनकारी पहल है। पक्का घर किसी भी परिवार के लिए केवल एक छत नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, बेहतर जीवन और सामाजिक गरिमा का मजबूत आधार होता है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय सहायता से छत्तीसगढ़ के हजारों ग्रामीण परिवारों के 'पक्के घर के सपने' को नई गति मिलेगी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जा सकेगा।

पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गांव, गरीब और वंचित परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का नया अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे तथा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ को इस महत्वपूर्ण पहल में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार जताया है।

भीषण गर्मी में मुख्यमंत्री साय की अपील खुद भी बचें, पशु-पक्षियों का भी रखें ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से सतर्कता बरतने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस कठिन मौसम में लोगों को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ आसपास के जरूरतमंद लोगों और पशु-पक्षियों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां लोगों को लू और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर, दुकान, कार्यालय या सार्वजनिक स्थानों के आसपास राहगीरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। यह छोटा प्रयास भीषण गर्मी में किसी जरूरतमंद के लिए बड़ी राहत बन सकता है।

उन्होंने खास तौर पर बच्चों, बुजुर्गों, मजदूरों और खुले में काम करने वाले लोगों का ध्यान रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की तबीयत खराब होती दिखाई दे तो उसे तुरंत छांव या ठंडी जगह पर ले जाकर पानी, ओआरएस या अन्य तरल पदार्थ उपलब्ध कराएं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सहायता लें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पशु-पक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा कि घर, छत, आंगन या दुकान के बाहर पानी से भरा छोटा पात्र रखना भी इस भीषण गर्मी में जीवों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय सेवा, सहयोग और संवेदना की भावना को मजबूत करने का है और सभी को मिलकर एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।

नौतपा के बीच बदला मौसम, गर्मी से मिलेगी राहत

छत्तीसगढ़ में आंधी-बारिश का असर, कई जिलों में अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भीषण गर्मी और हीटवेव से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिलने लगी है। प्रदेश के कई इलाकों में तेज हवा, गरज-चमक और बारिश का असर देखने को मिला है। अंबिकापुर और सूरजपुर समेत उत्तर छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग ने रायपुर सहित कई जिलों के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। तेज आंधी, वज्रपात और बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, महासमुंद, रायगढ़, कोरबा, राजनांदगांव, बेमेतरा, धमतरी, कांकेर, गरियाबंद और अन्य जिलों में यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन कुछ इलाकों में लू का असर बना रहा। अब बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और स्थानीय सिस्टम के सक्रिय होने से मौसम बदल रहा है, जिससे अगले 24 घंटों में तापमान में गिरावट आने के संकेत हैं।

सुरक्षित फैसलों में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सभी हाईकोर्ट को तीन महीने में निर्णय सुनाने का निर्देश

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षित मामलों में फैसले सुनाने में होने वाली देरी पर कड़ा रुख अपनाते हुए देश के सभी हाईकोर्टों के लिए विस्तृत और बाध्यकारी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में फैसला सुरक्षित रख लिया जाता है, उनमें यथासंभव तीन महीने के भीतर निर्णय सुनाया जाना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि नियमित जमानत और अग्रिम जमानत याचिकाओं में विशेष तत्परता बरती जानी चाहिए। जमानत याचिकाओं पर आदेश उसी दिन सुनाया और अपलोड किया जाना चाहिए। यदि फैसला सुरक्षित रखा जाता है तो अगले दिन सुनाना अनिवार्य होगा।

क्या है पूरा मामाल?

शीर्ष अदालत ने यह फैसला झारखंड हाईकोर्ट में लंबित कुछ आपराधिक अपीलों की सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि उनकी अपीलों पर सुनवाई पूरी होने के बावजूद दो से तीन साल तक फैसला नहीं सुनाया गया, जिससे उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ।

आरबीआई ने 2027 के लिए 6.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का जताया अनुमान

नईदिल्ली। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष और बढ़ते ग्लोबल तनाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती बनाए रखने के लिए तैयार है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा है कि मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचे के दम पर भारत आर्थिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कॉरपोरेट और बैंकिंग सेक्टर की स्वस्थ बैलेंस शीट और सरकार द्वारा लगातार पूंजीगत व्यय पर दिया जा रहा जोर इस मजबूत विकास यात्रा को सपोर्ट करेगा। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत 7.6 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा, जो इससे पिछले वर्ष के 7.1 प्रतिशत के मुकाबले बेहतर है। इस विकास दर को मजबूत घरेलू खपत, निरंतर निवेश और सक्रिय नीतिगत पहलों का पूरा समर्थन मिला है।

ड्रोन हथियार तस्करी नेटवर्क पर शिकंजा : चार राज्यों में एनआईए का छापा

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र में कार्रवाई

नईदिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में व्यापक कार्रवाई शुरू की है। एजेंसी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र में कुल 12 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई उस मामले से जुड़ी है जिसमें पाकिस्तान से जुड़े एक ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और आईईडी की बड़ी खेप भारत में भेजने का आरोप है।

एनआईए की टीमें यूपी में 5, राजस्थान में 2, बिहार में 2 और महाराष्ट्र में 3 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। इस दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संदिग्ध सामग्री की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क भारत-पाकिस्तान सीमा के जरिए ड्रोन का इस्तेमाल कर हथियार और विस्फोटक सामग्री की तस्करी कर रहा था। इन हथियारों का उद्देश्य पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बड़े हमलों को अंजाम देना बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस साजिश का मकसद आम नागरिकों की जान-माल को नुकसान पहुंचाना और देश में दहशत फैलाना था।

सिरसा ग्रेनेड हमला मामले में भी बड़ी कार्रवाई

इसी बीच एनआईए ने हरियाणा के सिरसा महिला थाना ग्रेनेड हमले मामले में भी बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने इस केस में दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत नौ आरोपियों के खिलाफचार्जशीट दाखिल की है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर से आतंकी बने शाहजाद भट्टी के इशारे पर भारत में पुलिस ठिकानों को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फीस रिफंड के लिए 13 लाख उम्मीदवारों ने जमा किए बैंक विवरण, एनटीए ने 22 जून तक बढ़ाया समय

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 परीक्षा से जुड़े उम्मीदवारों के लिए अहम अपडेट सामने आया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा शुल्क वापसी के लिए बैंक खाते की जानकारी जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 22 जून 2026 कर दी है। यह फैसला उन छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिन्होंने अब तक अपने बैंक डिटेल्स जमा नहीं किए हैं।

दरअसल, नीट यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद एजेंसी ने 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया। एनटीए ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि री-एग्जाम के लिए उम्मीदवारों से कोई नया परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा और पहले जमा की गई फीस वापस की जाएगी।

26 मई थी समय सीमा

एनटीए ने 22 मई से 26 मई तक उम्मीदवारों को नीट यूजी 2026 पोर्टल पर बैंक खाते की जानकारी जमा करने की सुविधा दी थी। हालांकि बड़ी संख्या में छात्र अब भी यह प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। नेशनल टेस्ट एजेंसी के अनुसार अब तक देशभर के करीब 13 लाख उम्मीदवार अपने बैंक खाते की जानकारी अपडेट कर चुके हैं।

संपादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

सिद्धारमैया के इस्तीफे से नए दौर की शुरुआत

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है।

> “ देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है।

राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018-23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे। पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर कदम कांग्रेस को बड़ा झटका दे गया था। कर्नाटक कांग्रेस के लिये दक्षिणी राज्यों में पकड़ बनाने की नीतियों की वजह से एक महत्वपूर्ण राज्य है। विगत में राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है। यहां पार्टी का मजबूत संगठन मौजूद भी है। बहरहाल, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका यह दांव शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद को बढ़ाने वाला साबित न हो। बल्कि मिल-जुलकर पार्टी संगठन को मजबूती देने के प्रयास हों।

सरकारी स्कूलों की आपराधिक उपेक्षा क्यों

विश्वनाथ सचदेव

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है।

स्कूली शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में 'नीति' आयोग ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। यह विडंबना ही है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली की धूल में नीति-आयोग की यह रिपोर्ट कहीं खो सी गयी है। इस रिपोर्ट के कुछ आंकड़े सिर्फ चौंकाते ही नहीं, परेशान भी करते हैं। जैसे, यह रिपोर्ट बताती है कि देश में सरकारी और निजी स्कूलों की स्थितियों का अंतर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की उपेक्षा को ही उजागर नहीं करता, बल्कि यह भी बता रहा है कि देश के भविष्य को लेकर हमारी चिंताएं कितनी खोखली हैं।

प्रधानमंत्री एक से अधिक अवसरों पर अपने भाषणों में इस आशय के दावे कर चुके हैं कि देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास कर रहा है। मसलन, एक भाषण में उन्होंने कहा था कि देश में प्रति सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय खुल रहा है, हर रोज एक नया कॉलेज खुल रहा है। प्रधानमंत्री आईआईटी और आईआईएम के विस्तार के दावे भी कर चुके हैं। लेकिन नीति-आयोग की यह रिपोर्ट शिक्षा क्षेत्र की बुनियादी कमजोरियों को उजागर कर रही है। पिछले एक दशक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट बता रही है कि हमने शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को सरकारी और गैर-सरकारी में बांटकर समूची शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ऐसे और भी कई आंकड़े हैं जो यह बताते हैं कि शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्र में हम किस तरह की आपराधिक उपेक्षा बरत रहे हैं। उदाहरण के लिए सन् 2017 और 2024 के बीच देश में 87000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो गये, इसकी तुलना में निजी स्कूलों की जैसे बाढ़-सी आ रही है।

यह सही है कि हाल के कुछ सालों में, विशेष कर कोरोना-काल के बाद सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वालों की संख्या कुछ बढ़ी है, पर इसका कारण शिक्षा का स्तर नहीं, अभिभावकों की आर्थिक विवशता कहीं अधिक है।

वैसे, यह भी एक विडंबना ही है कि आज देश में हमारी शिक्षा भी गरीब और अमीर में बंट गयी है। मान लिया गया है कि आर्थिक अभावों से जूझ रहे परिवारों के बच्चों की विवशता है कि वे सरकारी स्कूलों में जाएं जहां पढ़ाई लगभग मुफ्त होती है। आर्थिक स्थिति जरा-सी भी सुधरती है तो यह अभिभावक महंगे स्कूलों की ओर रुख कर लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र का यह बंटवारा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए। स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को 'छोटे-बड़े' का अहसास दिलाने वाली हमारी शिक्षा-नीति एक तरह से शिक्षा के अधिकार के हमारे दावों को ही झुठला रही है।

हम देश के हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार की बात तो करते हैं, पर किस प्रकार की शिक्षा दी जा रही है इस बारे में शायद सोचना ही नहीं चाह रहे। सन् 2021-22 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10,22,386 सरकारी और 3,35,844 निजी स्कूल हैं। यहां निजी स्कूल का मतलब महंगी पढ़ाई और बेहतर सुविधा है। यह कतई ज़रूरी नहीं है कि महंगी पढ़ाई का मतलब अच्छी पढ़ाई ही हो हां, इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और पढ़ाने वाले अभिभावक यह अहसास अवश्य जीते हैं कि उनका स्तर 'ऊंचा' है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के बीमार सोच का पालन उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो समता-समानता के दर्शन वाले संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं।

'पढ़ेगा इंडिया बढ़ेगा इंडिया' का नारा देने वाले को इस बात की भी चिंता होनी चाहिए कि 'इंडिया' क्या पढ़ रहा है? कैसी पढ़ाई कर रहा है। दुर्भाग्य से यह चिंता कहीं दिखाई नहीं देती। नीति-आयोग की इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में हमारे स्कूलों की स्थितियों को तो अच्छे ढंग से दिखाया गया है, पर जिस तरह से यह रिपोर्ट अचर्चित ही रही है, वह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए।

आखिर हमें दो तरह की शिक्षा की आवश्यकता क्यों है? क्यों नहीं देश के हर बच्चे को एक समान और अच्छे स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिए? इस बारे में हमारा छोटा-सा पड़ोसी देश नेपाल भी हमें कुछ सिखा सकता है। सुना है नेपाल की नई सरकार ने हाल ही में देश के सारे निजी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है। वहां यह व्यवस्था की जा रही है कि सारी शिक्षा सरकारी स्कूलों के माध्यम से दी जाये ताकि सब बच्चे एक जैसे स्तर की शिक्षा पा सकें। शिक्षा का अधिकार जितना ज़रूरी है, उससे कम ज़रूरी नहीं है शिक्षा का समुचित अवसर मिलना। शिक्षा को निजी और सरकारी में बांटने का मतलब अवसर की समानता के अधिकार को नकारना है।

ज़रूरी है कि स्कूली शिक्षा प्रणाली और गुणवत्ता संवर्धन का विश्लेषण करने वाली इस रिपोर्ट पर देश में गहरा और व्यापक चिंतन हो। आज यह सवाल पूछे जाने की आवश्यकता है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने का अर्थ घटिया शिक्षा पाना ही क्यों माना जाता है? क्यों नहीं हम सरकारी स्कूलों में ऐसी व्यवस्था कर सकते हैं कि हमारे बच्चे गर्व से कहें कि वे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं? स्कूलों में पानी हो, बिजली हो, शौचालय हो, अच्छी साफ-सुथरी कक्षाएं हों, और बच्चों को पढ़ाने वाले सक्षम अध्यापक हों, इन अपेक्षाओं को पूरा क्यों नहीं किया जा सकता? क्यों यह नहीं सोचा जाता कि एकल अध्यापक वाले स्कूल में बच्चे उचित शिक्षा कैसे पा सकते हैं?

बात शिक्षा के स्तर की होनी चाहिए। हम विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा-प्रणाली वाला देश होने का दावा तो करते हैं, पर हमें इस बात पर शर्म क्यों नहीं आती कि हमारे स्कूलों में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाला बच्चा दूसरी कक्षा का पाठ भी अच्छी तरह से क्यों नहीं पढ़ पाता?

निजी स्कूल इन और ऐसे प्रश्नों का उत्तर नहीं हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों को सक्षम बनाना है। पिछले एक अर्से में देश में 42,000 निजी स्कूल खुले हैं और इस दौरान देश के 13 करोड़ सरकारी स्कूल घटकर 12 करोड़ रह गये हैं! यह एक करोड़ स्कूल कहां गायब हो गये? और क्यों गायब हो गये? सवाल बहुत सारे हैं। दुख की बात यह है कि कोई इनका जवाब देने की आवश्यकता नहीं समझ रहा। नीट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी निश्चित रूप से एक गंभीर बात है। देश के शिक्षा मंत्री को इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लेकिन शिक्षा मंत्री को जिम्मेदारी इस बात की भी लेनी होगी कि प्राथमिक स्तर पर शिक्षण-व्यवस्था इतनी लचर क्यों है? क्यों सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में शिक्षा के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं है? क्यों स्कूलों में ऊंची कक्षाओं में बच्चों को बनाए रखना एक समस्या है? क्यों दस में से चार बच्चे माध्यमिक शिक्षा पूरी किये बिना ही स्कूल छोड़ देते हैं? इन और ऐसे सवालों के जवाब मांगना उतना ही ज़रूरी है जितना 'नीट' की परीक्षा का पारदर्शी होना।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अदालती फैसले में खेल संघों के लिए सबक

डॉ. प्रदीप शर्मा

चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मामले में हाईकोर्ट ने अपने हालिया निर्णय से न केवल देश की एक खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है। इससे भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगा है।

एशियाई खेलों के लिए कुश्ती दल के चयन ट्रायल से महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराने के मनमाने निर्णय पर उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती संघ को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि हमारे देश में मातृत्व का सम्मान किया जाता है। लेकिन भारतीय कुश्ती संघ ने तो विनेश फोगाट के मामले में अपने पुराने मानदंडों को ही बदल दिया (संभवत: व्यक्तिगत विद्वेष के चलते)। बता दें कि विनेश फोगाट ने अपनी खेल प्रतिभा से अनेक अवसरों पर भारतीयों का सिर ऊंचा किया है। हाईकोर्ट ने अपने इस ऐतिहासिक निर्णय से न केवल देश की इस महान खिलाड़ी के साथ हुए अन्याय का उचित संज्ञान लिया अपितु मातृत्व का सम्मान किया है और भारतीय कुश्ती संघ की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगाया है। इस निर्णय के चलते भविष्य में अन्य खेल महासंघों को भी खिलाड़ियों के प्रति अन्याय करने से रोकेगा।

उल्लेखनीय है कि विनेश देश के लिए महिला कुश्ती के अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में सर्वाधिक पदक विजेता और ओलंपिक फाइनल तक पहुंचने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं। विनेश मां बनने के बाद कुश्ती में वापसी करना चाहती थी लेकिन उसे कुश्ती संघ के नियमों के नाम पर राष्ट्रमंडलीय व एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने से रोक कर दिया गया था। कई देशों में मां बनने के बाद खेलों में लौटने की इच्छुक महिला खिलाड़ियों के लिए नियमों में छूट दी गई और उन्होंने पदक जीतकर इसे सही सिद्ध किया। लेकिन विनेश की वापसी का रास्ता बंद कर दिया गया था। विनेश के साथ-साथ देश के लाखों कुश्ती प्रेमियों के लिए यह निराशा की बात थी।

विनेश की अद्वितीय खेल उपलब्धियां भारतीय कुश्ती के लिए गर्व की बात है। विनेश ने साल 2013 में एशियाई चैंपियनशिप से पदक जीतने का सिलसिला शुरू किया। इसके साथ ही जुझारू खिलाड़ी विनेश 2022 की विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों तक लगातार दस वर्षों में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए सर्वाधिक पदक (10 स्वर्ण पदकों सहित कुल 22 पदक) जीतने में सफल रहीं। महिला पहलवान विनेश विश्व चैंपियनशिप में दो पदक, एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक और राष्ट्रमंडलीय खेलों में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की एकमात्र महिला पहलवान हैं।

एशियाई चैंपियनशिप में एक स्वर्ण , तीन रजत और चार कांस्य पदकों के साथ आठ पदक जीतने वाली देश की एकमात्र पहलवान विनेश ने भारतीय कुश्ती का परचम विश्व स्तर पर फहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसके दमख़म और कुश्ती के प्रति अद्भुत समर्पण के विश्व भर के खेल विशेषज्ञ और खेलप्रेमी क़ायल रहे हैं। अपनी खेल प्रतिभा और उपलब्धियों के कारण विनेश को अर्जुन पुरस्कार (2016), पद्मश्री (2018) और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2020) व लॉरियस स्पोर्ट्स वर्ल्ड अवार्ड से नवाजा जा चुका है। 2022 और 2024 में उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वीमेन घोषित किया गया।

विनेश ने तीन ओलंपिक खेलों में महिला कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व किया। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में पचास किलो भार वर्ग में वह फाइनल तक पहुंची। फाइनल मुकाबले से पूर्व जांच में कुछ अधिक वज़न पाए जाने पर उसे अयोग्य ठहरा दिया गया। उस निराशा के चलते विनेश ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

हरियाणा के विधानसभा चुनावों में विधायक चुने जाने और मातृत्व ग्रहण करने के बाद एक बार फिर विनेश ने कुश्ती की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की ठानी। वह एक बार पुन: देश के लिए पदक जीतने की लालसा लिए हुए एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में भाग लेने पहुंची थी लेकिन नियमों के नाम पर उसे भाग लेने से वंचित कर पुन: निराशा में धकेल दिया गया। विडंबना यह रही कि इस बार ओलंपिक समिति ने नहीं अपितु अपने ही देश के कुश्ती संघ ने उसके साथ न्याय नहीं किया था। कथित तौर पर ट्रायल का अवसर न दिये जाने के लिए नियम बदले जाने सहित सारी व्यूह रचना की गयी थी। शायद विनेश द्वारा गत वर्षों में महिला पहलवानों की न्याय संगत मांगों के लिए किए गए संघर्ष की यह परिणति थी।

विनेश को वापसी का मौक़ा न देने का मनमाना निर्णय देश को एक उत्कृष्ट महिला पहलवान की सेवाओं से भी वंचित करने की दिशा में था। खेल भावना के विपरीत था। यह महिला कुश्ती का अहित करने की दिशा में एक कदम था।

आखिरकार, उच्च न्यायालय ने इस मामले में देश की श्रेष्ठ महिला पहलवान को ट्रायल का अवसर प्रदान किये जाने का निर्णय देकर उसे निराशा में डूबने से बचा लिया है। ट्रायल का परिणाम जो भी हो पर करोड़ों खेल प्रेमियों के चेहरों पर खुशी का भाव है। भारतीय खेल संघों और उसके मठाधीशों को न्यायालय के निर्णय से सबक लेना चाहिए।

बेटी पढ़ा तो लो मगर बचाएं कैसे?

क्षमा शर्मा

बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ

क्या बेटी पालने में बेटे पालने के मुकाबले, कम संसाधन खर्च होते हैं। इन दिनों जब शहरी परिवारमात्र एक-दो बच्चों तक ही सीमित हैं, तब बेटियों की शिक्षा-दीक्षा पर भी बेटे की तरह ही खर्च होता है, लेकिन अब भी वे दोयम दर्जे की नागरिक हैं। नारा लगाते रहिए कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ।

पिछले दिनों से त्विशा शर्मा का केस चर्चा में है। एक दिन में ही अखबारों के कुछ शीर्षक देखिए—संदिग्ध हालत में महिला की मौत। त्विशा-दीपिका की मौत ने दिखाया आईना। विनोद नगर में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत आदि-आदि। ऐसी खबरें रोज आती हैं। एक महिला कमांडो तक की पीट-पीटकर हत्या की जा चुकी है। एनसीआरबी के 2024 के आंकड़ों की मानें, तो दहेज हत्या के मामलों में दिल्ली सबसे आगे फिर उत्तर प्रदेश, बिहार और कर्नाटक का नम्बर है।

पिछले कुछ सालों से तो लगता था कि अब देश में बहुत बदलाव हो गया है। शादियां समानता के आधार पर हो रही हैं। इसका बड़ा कारण लगता कि चूंकि लड़कियां पढ़-लिख गई हैं, तो वे स्वयं भी ऐसे युवकों से विवाह करने से मना कर देती हैं, जिनके परिवार उन्हें अपने अनुकूल नहीं लगते। ऐसे बहुत से विवाह होते भी देखे हैं। आसपास ऐसे कई परिवार भी रहते हैं, जहां लड़कियां विवाह के बाद संयुक्त परिवारों में रहती हैं, कोई लड़ाई-झगड़ा भी दिखाई नहीं देता। लेकिन अब सोचती हूं कि जो दिखता है, वही सच नहीं होता। उसके पीछे भी बहुत कुछ छिपा रहता है।

अक्सर हम मध्यवर्ग के लोग हर बात अशिक्षा से जोड़ देते हैं कि फलां ने ऐसा इसलिए किया होगा कि परिवार शिक्षित नहीं था। उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी।

लेकिन त्विशा के मामले पर नजर डालें, तो उसके ससुराल में सब पढ़े-लिखे थे। सास रिटायर्ड जज, पति आपराधिक मामलों का वकील। फिर भी जब इस लड़की ने आत्महत्या कर ली, तो इसकी पहली सूचना उसके परिवार वालों को नहीं दी गई, बल्कि सास अपने जान-पहचान वालों से बातचीत करती रही। छियालीस फोन किए गए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन नहीं किया गया। यही नहीं सास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जो आरोप लगाए, वे, वे ही थे जिन्हें आम तौर पर लड़कियों के चरित्र हनन के लिए लगाया जाता है। जैसे कि वह ड्रग एडिक्ट थी। एक दिन के लिए घर से बाहर चली गई थी। उसने गर्भपात करा लिया था। वह खाना नहीं बनाती थी। पौधों को पानी नहीं देती थी। शादी से पहले हमारे घर भी आई थी। ऐसे कौन अपने होने वाले ससुराल में आता है। वह अस्सी किलो की थी। उसे सीढ़ियों से उतारना कितना मुश्किल था। मेरा बेटा उससे बहुत प्यार करता था, लेकिन वह गोल्ड डिगर यानी कि पैसे की लालची थी। उसने मुझे दादी होने का सुख नहीं दिया।

ये बातें कोई ग्रामीण स्त्री नहीं कह रही है, एक रिटायर्ड जज कह रही है। सोचिए कि यदि इनके कोर्ट में ऐसे मुकदमे आते होंगे, तो इनका निर्णय क्या होता होगा। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के बहुत से निर्णय कहते हैं कि स्त्री अगर बच्चे को जन्म देना नहीं चाहती, तो उसके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। शरीर उसका है, उस पर उसी का अधिकार है। यह भी कि आप पत्नी लाते हैं, कोई मेड नहीं कि खाना न बनाना तलाक का कारण बन सके।

त्विशा पैसे कमाती थी। नोएडा से भोपाल जाने पर उसके बहुत से काम छूट गए थे। इस पर भी उसे ताने सुनने पड़ते थे। यानी कि एक स्त्री पैसे कमाए, उसे अपने पति के परिवार को सौंप दे। घर का काम करे। खाना बनाए। सबकी सेवा करे। किसी और से कभी बातचीत तक न करे, नहीं तो उसके चरित्र पर सवाल उठाने का अधिकार, हर ऐरे-गैरे नत्थू खैरे को मिल जाएगा। कई वकीलों ने कहा भी कि ये आरोप तो स्त्रियों पर सदा से लगते आए हैं।

सोचने की बात है कि शादी करते ही आखिर लड़कियों के ऊपर ही सारा बोझ क्यों लाद दिया जाता है। इन दिनों ऐसे वीडियोज और रील्स की भरमार है, जिनमें ऐसा न करने पर पत्नी को पति घर से निकालने और तलाक की धमकी देते पाए जाते हैं। एक तरफ तो ये वीडियोज समाज में फैली असलियत को बताते हैं, मगर दूसरी तरफ बहुत से लोगों को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करते होंगे। आखिर लड़कियां ही क्यों घर से निकाली जाएं। वे ही क्यों तरह-तरह के लांछन झेलें। यदि प्रतिवाद करें, तो मारी जाएं और यदि चुपचाप सहती रहें, तो खुद जान दे दें। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली दीपिका के पिता तो कुछ देर पहले ही उससे मिल कर गए थे। और कुछ ही देर में उसकी मौत की खबर आई। उसके भाई ने कहा कि अगर हमने बहन की सुनी होती और उसे घर ले आए होते, तो शायद बहन जिंदा होती। आम तौर पर लड़कियों के घर वालों की यही कहानी होती है। जो समाज उनकी परेशानियों में कभी कोई हिस्सा नहीं बंटाता, इस डर से कि लोग क्या कहेंगे, परिवार अपनी ही लड़कियों को वधिकों के हाथों छोड़ देते हैं। अपनी लड़कियों को ही सहने और एडजेस्ट करने की सीख देते हैं। आपकी लड़की की जान चली जाती है, समाज का कुछ नहीं जाता। त्विशा भी अपनी मां को बताती रही कि वह गलत जगह फंस गई है, लेकिन उसकी मां उससे कहती रही कि अपनी सास से बात करो। सब ठीक हो जाएगा।

इन दोनों लड़कियों और इन जैसी बहुत-सी स्त्रियों की जान चली जाती है। यह बात भी महसूस होती है कि लड़कियां जैसे ही किसी घर की बहू बनती हैं, किसी की पत्नी कहलाती हैं, उनका जीवन गिरवी रख दिया जाता है। वे हमेशा किसी न किसी से दया मांगती रहे। एक ऐसा ऑडियो भी सामने आया है जिसमें त्विशा के भाई से बात करते हुए उसकी सास उसके चरित्र पर शक कर रही है। यह सास फिल्मों वाली ललिता पंवार नहीं है, लेकिन बहू की मौत पर मजाल है कि एक आंसू भी आया हो। बहू का मरना भी कोई मरना होता है। एक मरती है, दूसरी आ जाती है।

जब यह लेखिका बहुत छोटी थी, दूसरी कक्षा में पढ़ती थी, तब इसके पिता कन्नौज रेलवे स्टेशन पर पोस्टेड थे। उन दिनों घर लौटकर अक्सर वे इस बात की सूचना देते थे कि आज फलां ने अपनी तीसरी बहू मार दी कि एक और ने अपनी पत्नी को मार दिया और दस दिन बाद ही दूसरी शादी भी कर ली। फिर अपनी तीन बेटियों के लिए बहुत चिंतित भी होते। यह भी कहते कि दूसरी पत्नी के माता-पिता ये सवाल कभी क्यों नहीं पूछते कि पहली पत्नी कैसे मरी। यदि पूछते होते, तो शायद ऐसे घर में अपनी बेटी को कभी न देते। आज भी बेटियों की तो किस्मत में ही ये लिखा है कि अपने घरों में वे जन्म से पहले ही भाई की चाहना में प्राण गंवाएं और ससुराल चली जाएं, तो न जाने कितने आरोप और वधिक उनके लिए तलवार लिए बैठे हैं।

यों भी क्या बेटी पालने में बेटे पालने के मुकाबले, कम संसाधन खर्च होते हैं। इन दिनों जब शहरी परिवारमात्र एक-दो बच्चों तक ही सीमित हैं, तब बेटियों की शिक्षा-दीक्षा पर भी बेटे की तरह ही खर्च होता है, लेकिन अब भी वे दोयम दर्जे की नागरिक हैं। नारा लगाते रहिए कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

नन्ही मीमांसा साहू ने नेशनल कूडो चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

दुर्ग। दुर्ग जिले की मात्र 7 वर्षीय मीमांसा साहू ने नेता जी सुभाषचंद्र बोस मिलिट्री स्कूल, फूलगांव पुणे महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय कूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मीमांसा 3 साल की उम्र से कूडो सीख रही है। पिछले वर्ष सूरत में हुई नेशनल चैंपियनशिप में मीमांसा ने एक सिल्वर और एक कांस्य पदक जीता था। इस बार पुणे में गोल्ड जीतकर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। मीमांसा की यह उपलब्धि उनकी उम्र के अन्य बच्चों के लिए भी अत्यंत प्रेरणादायक है। मीमांसा की इस उपलब्धि में उनके ट्रेनर राजा कौशल एवं लिलिमा मैम का विशेष योगदान रहा है। परिजनों ने मीमांसा की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है। मीमांसा नारायणा ई–टेक्नो स्कूल बोरसी दुर्ग में कक्षा 2 की छात्रा है।

बीएसपी के रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग में शाबाश सम्मान समारोह

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग (आरईडी) द्वारा परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा संस्कृति तथा कार्यबल विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए शाबाश सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्पादन, अनुरक्षण, सुरक्षा, परिचालन विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता सुधार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में एसएमएस–2, एसएमएस–3, ब्लास्ट फर्नेस, टॉरपीडो लैडल, मिल्स, मैकेनिकल ग्रुप, प्लानिंग एवं सुरक्षा अनुभाग सहित विभिन्न परिचालन इकाइयों के कर्मचारियों को उनके अनुभाग प्रभारियों एवं सहकर्मियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण शाबाश योजना के अंतर्गत सेफ्टी स्टुअर्ड गोविंद का विशेष सम्मान रहा।

सुरक्षित क्रेन संचालन पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन आयोजित

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षित क्रेन संचालन एवं रखरखाव विषय पर कार्यपालकों हेतु लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन (एलजीआई) का आयोजन मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में किया गया। यह कार्यक्रम कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन, दुर्घटना रोकथाम तथा उपकरणों के वैज्ञानिक एवं समयबद्ध रखरखाव के प्रति जागरूक किया।

पशुपालन एवं नर्सरी का व्यवसाय कर यामिनी वर्मा दीदी बनीं महिला सशक्तिकरण की मिशाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिलाओं को उचित अवसर, मार्गदर्शन एवं सहयोग मिले, तो वे आत्मनिर्भर बनकर परिवार एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। आज गांव में महिलाएं सशक्तिकरण की मिशाल बन चुकी हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकासखंड पाटन, ग्राम पंचायत चंगोरी की निवासी श्रीमति यामिनी वर्मा दीदी जागृति स्व–सहायता समूह की एक सक्रिय सदस्य बन चुकी है। उनके समूह में कुल 11 सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद यामिनी के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया और उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। समूह से जुड़ने से पहले वे केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं। सीमित आय के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाई होती थी।

समूह से जुड़ने के बाद प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के माध्यम से उन्हें नई जानकारी प्राप्त हुई। समूह से प्राप्त आरएफ एवं सीआईएफ राशि से उन्होंने पशुपालन एवं नर्सरी व्यवसाय प्रारंभ किया। पशुपालन विभाग के माध्यम से उन्हें दो गाय प्राप्त हुए, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 70 हजार रुपये हैं। विभाग द्वारा पशु देखभाल, टीकाकरण, चारा प्रबंधन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने प्रशिक्षण भी दिया गया।

प्रतिमाह 6 हजार की आय

वर्तमान में यामिनी वर्मा दूध, दही, छाछ एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की बिक्री कर प्रतिमाह लगभग 5 से 6 हजार की आय अर्जित कर रही हैं। इसके साथ ही स्व–सहायता समूह के सहयोग से नर्सरी व्यवसाय भी प्रारंभ की। वे फलदार, फूलदार एवं सजावटी पौधों का उत्पादन कर आसपास के गांवों में बिक्री कर रही है। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 से 15 हजार तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। पशुपालन एवं नर्सरी व्यवसाय से उनकी कुल मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बच्चों की पढ़ाई बेहतर हुई तथा घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति सहज हो गई। अब यामिनी वर्मा दीदी गाँव की अन्य महिलाओं को भी स्व–सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

पुणे से भिलाई पहुंची ब्रह्माकुमारी दीदियों ने कहा - छत्तीसगढ़ के लोग सबसे बढ़िया

■ बड़ों की प्रार्थना और पालना हम सभी के लिए वरदहस्त के समान है : ब्रह्माकुमारी गीतिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेक्टर–7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंची पुणे शहर की ब्रह्माकुमारी दीदियों ने प्रात:कालीन राजयोग सत्र के पश्चात अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए। आपने छत्तीसगढ़ प्रवास के बारे बताया कि छत्तीसगढ़ सबसे बढ़िया , छत्तीसगढ़ की ब्रह्माकुमारी दीदीयों में राजयोगिनी दादियों की निस्वार्थ मातृत्व पालना,सादगी, आत्मीयता और सेवा भावना विशेष रूप से दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ के सभी सेवाकेंद्र अत्यंत विशाल, भव्य एवं आध्यात्मिक सकारात्मक ऊर्जा और शांति से सम्पन्न हैं। पुणे से भिलाई पहुंची ब्रह्माकुमारी गीतिका दीदी ने कहा कि मन की स्वच्छता द्वारा परमात्मा के समीप आकर दिव्य शक्तियों को धारण किया जा सकता है।

अंतिम समय तक सीखने की भावना रहनी चाहिए

आपने बुरा न सोचें, न देखें, न बोलें और न सुनें। साथ ही श्रेष्ठ कर्म करते हुए मन से निरंतर परमात्मा को याद रखने तथा सभी के प्रति शुभ भावना रख, जीवन में अंतिम समय तक सीखने की भावना बनाए रखनी चाहिए। आपने हंस समान गुण ग्रहण करने तथा अवगुणों का त्याग कर गुणों को अपनाने की प्रेरणा दी। हम सभी भाग्यविधाता परमात्मा के भाग्यवान बच्चे हैं तथा परमात्मा की छत्रछाया सदैव हमारे सिर पर है। उन्होंने कहा कि बड़ों की दुआएँ और पालना जीवन को सफल एवं सुखमय बनाती हैं। बड़ों का स्नेह और प्यार हम सभी के लिए वरदहस्त के समान है।

ब्रह्माकुमारी दीपिका दीदी, स्मिता दीदी, रूपा दीदी,मनीषा दीदी,सुनीता दीदी, उर्मिला दीदी, गौरी दीदी, सरिता दीदी ने भी अपने आध्यात्मिक अनुभव व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी दीदियों का तिलक, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पट्टिका पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

ज्ञात हो कि ब्रह्माकुमारी गीतिका दीदी जी का जन्म एवं शिक्षा भिलाई में ही सपन्न हुई है। इसके पश्चात उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवाओं के लिए समर्पित कर पुणे में सेवाकेंद्र का कुशल संचालन कर रही है। कार्यक्रम के अंत में राजयोगिनी आशा दीदी जी ने कहा कि भिलाई की ब्रह्माकुमारी बहनें ज्ञानगंगा एवं शिवशक्ति स्वरूप बनकर संपूर्ण भारत में आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से लोगों के जीवन को तनावमुक्त एवं खुशहाल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की विधायक रिकेश सेन से बात

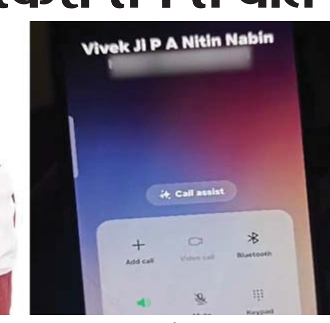

■ बड़े भाई के निधन पर जताया शोक, बंधाया ढ़ांढस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई दिनेश सेन का विगत 17 मई को दु:खद निधन हो गया था। स्वर्गीय दिनेश सेन की स्मृति में बीते कल 27 मई को भिलाई में एक गरिमामयी शोक सभा का आयोजन भी किया गया था, जिसमें क्षेत्र के विधानसभा अध्यक्ष, मंत्रीगण, सांसद, जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसी सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से फोन पर विशेष बातचीत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस असमय और दु:खद पारिवारिक क्षति पर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। फोन पर हुई इस बातचीत के दौरान श्री नितिन ने विधायक रिकेश सेन को सांत्वना दी और उनके पूरे शोक संतप्त सेन परिवार को इस कठिन और दु:खद घड़ी में ढांढस बंधाया।

नितिन नबीन ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में उत्तम स्थान प्रदान करें और शोकाकुल सेन परिवार को इस अपूरणीय क्षति और गहरे आघात को सहन करने की संबल व आत्मिक शक्ति दें। इस दु:खद बेला में पूरी भारतीय जनता पार्टी विधायक रिकेश सेन और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

तीन दिवसीय योग शिविर कल से भिलाई में, पतंजलि योगपीठ के प्रभारी स्वामी परमार्थ देव रहेंगे मौजूद

■ विभिन्न एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी के साथ मिलेगा उपचार का अवसर भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में तीन दिवसीय विशाल एकीकृत योग शिविर का आयोजन 30 मई से मनसा कॉलेज कुरूद रोड कोहका में किया जा रहा है। शिविर में तीनों दिन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव की विशेष उपस्थिति रहेगी। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि युवा भारत और किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय विशाल शिविर में सुबह 5:15 बजे से 7:30 बजे तक योग के माध्यम से निरोग रहने विविध योगासनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संदर्भ में भारत स्वाभिमान न्यास छत्तीसगढ़ प्रमुख अनूप बंसल और युवा भारत के प्रभारी जयंत भारती ने बताया कि शिविर में समूचे छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रहेगी वहीं एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों में योग के साथ–साथ यज्ञ चिकित्सा, वॉटर थेरेपी और एक्यूप्रेशर के माध्यम से उपचार के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस दौरान चयनित लोगों का आयोजन स्थल पर उपचार भी किया जाएगा। यहां कार्यकर्ताओं को इन एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें कार्यशाला में विभिन्न सत्र होंगे।

शिविर में स्वामी परमार्थ देव की उपस्थिति को विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि स्वामी परमार्थ देव 30 व 31 मई और एक जून को तीनों दिन योग शिविर की निगरानी करेंगे तथा शिविर में उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करेंगे। योग शिविर के अलावा स्वामी परमार्थ देव के अन्य कार्यक्रम भी रखे गए हैं। जिसमें 30 मई को राजनांदगांव में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। वहीं राजनांदगांव,बालोद, खैरागढ़ व मानपुर मोहला जिले के योग शिक्षकों एवं पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक करेंगे। इसी तरह 31 मई को भिलाई के योग शिविर में भाग लेने के साथ स्वामी परमार्थ देव आयोजन स्थल पर ही सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

आईसीएआई भिलाई शाखा द्वारा 30 मई को होगा एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप सेमिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भिलाई ब्रांच द्वारा औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के सहयोग से 30 मई 2026 को आईसीएआई भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में MSME एवं स्टार्ट–अप अवसर विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। सेमिनार का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्योगपतियों, स्टार्ट–अप्स, उद्यमियों, व्यापारिक संगठनों एवं इच्छुक व्यवसायियों को छत्तीसगढ़ शासन की औद्योगिक एवं स्टार्ट–अप नीतियों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहनों, सब्सिडी योजनाओं एवं व्यावसायिक अवसरों के संबंध में जागरूक करना है।

कार्यक्रम में CA Arihant Bothra एवं विभाग के वरिष्ठ वक्ताओं द्वारा औद्योगिक सब्सिडी, भूमि आवंटन प्रक्रिया, औद्योगिक अनुमतियाँ, पंजीकरण तथा उद्योग स्थापना हेतु आवश्यक अन्य महत्वपूर्ण औपचारिकताओं पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग विभाग द्वारा भी विभागीय अधिकारियों को राज्य की स्टार्ट–अप नीति एवं नवीन औद्योगिक नीति पर प्रस्तुतीकरण देने हेतु नामित किया गया है। इस अवसर पर CA Gyanchand Misra, केंद्रीय परिषद सदस्य, ढ्रष्ट्ढ, विशेष रूप से दिल्ली से उपस्थित होकर प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

ICAI भिलाई शाखा के अध्यक्ष CA Sukhdeo Rathi ने जानकारी देते हुए कहा कि यह सेमिनार पेशेवरों एवं उद्यमियों को औद्योगिक विकास, स्स्स्ध एवं स्टार्ट–अप्स हेतु उपलब्ध शासकीय सहायता तंत्र तथा व्यावहारिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा। जो भी व्यक्ति नया उद्योग स्थापित करना चाहते हैं अथवा औद्योगिक निवेश एवं स्टार्ट–अप के क्षेत्र में अवसर तलाश रहे हैं, वे इस सेमिनार में ICAI भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में उपस्थित होकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। शाखा द्वारा सभी सदस्यों, उद्यमियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की गई है। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

खुर्सीपार के मिनी स्टेडियम की 60 दुकानों की होगी दोबारा नीलामी

■ निगम आयुक्त ने किया खुर्सीपार क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने जोन–4 खुर्सीपार क्षेत्र का सघन दौरा कर विभिन्न सार्वजनिक स्थलों और व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार लाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए।

आयुक्त सबसे पहले जोन–4 खुर्सीपार अंतर्गत इंडोर स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने खेल परिसर का मुआयना करते हुए खेल गतिविधियों के उचित और सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक गाइडलाइंस दीं। इसके पश्चात उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया। स्टेडियम परिसर में पूर्व से निर्मित 60 दुकानों के खाली पड़े होने या अव्यवस्थित होने पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से इन सभी दुकानों की पुन: नीलामी की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

बिना अनुमति चल रही गैस एजेंसी पर भड़के आयुक्त

निरीक्षण के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई, जहां खुर्सीपार स्टेडियम के ठीक सामने एच.पी. गैस एजेंसी द्वारा बिना किसी वैध अनुमति के व्यवसाय का संचालन किया जा रहा था। सार्वजनिक और खेल परिसर के समीप इस तरह के व्यावसायिक गतिविधियों को देखकर आयुक्त महोदय ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सुरक्षा और नियमों की अनदेखी पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जोन आयुक्त और सहायक राजस्व अधिकारी को संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

सामुदायिक शौचालय को साफ रखने दिए निर्देश

आयुक्त ने स्टेडियम के समीप स्थित सामुदायिक शौचालय का भी जमीनी स्तर पर बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई की स्थिति को देखा और आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने वार्ड के स्वच्छता कर्मियों और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक शौचालयों में पानी, बिजली और स्वच्छता की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। निगम की संपत्तियों का सही रखरखाव और जनता को बेहतर सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। अवैध रूप से व्यवसाय करने को बख्शा नहीं जाएगा। निरीक्षण के दौरान जोन–4 के जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित निगम का अमला उपस्थित रहे।

ज्योतिष संस्थान ने किया संयुक्त निदेशक चौधरी को सम्मानित

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास के संयुक्त निदेशक नंदलाल चौधरी इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ ज्ञान विज्ञान ज्योतिष संस्थान से भी जुड़े हैं। संस्थान के पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनके सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन भिलाई निवास कॉफी हाउस के सभागार में किया। ज्ञात हो कि सेक्टर–2 निवासी नंदलाल चौधरी पवार क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। समारोह में उपस्थित लोगों ने श्री चौधरी के व्यक्तित्व की सराहना की। वहीं श्री चौधरी ने अपने सम्मान के लिए सभी का आभार जताया। उनकी सेवानिवृत्ति पर आयोजित सम्मान समारोह में गीतांजलि चौधरी, गौरव चौधरी, पल्लव चौधरी, भुनिशा चौधरी, उमेश चितलांगिया आदि उपस्थित रहे।

खास-खबर

नेफ्रोलॉजी में रायपुर की बेटी का कमाल, डॉ. पल्लवी दुबे बनीं ऑल इंडिया टॉपर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की बेटी डॉ. पल्लवी दुबे ने चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नेफ्रोलॉजी सुपर स्पेशलिटी कोर्स में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता पर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। डॉ. पल्लवी दुबे वर्तमान में बेंगलुरु के मनिपाल हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उन्हें गोल्ड मेडल और नेशनल सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। डॉ. पल्लवी रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश दुबे और डॉ. रुचि दुबे की पुत्री हैं। उन्होंने शुरुआत से ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक हासिल करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमडी मेडिसीन की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु के मनिपाल हॉस्पिटल से नेफ्रोलॉजी में सुपर स्पेशलिटी कोर्स किया और अब इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

राजधानी रायपुर में नगर के तीन कलाकारों की कला का होगा प्रदर्शन

रायपुर। शहर में स्थित चाणक्य अकादमी रायपुर एम्स के पीछे द्वारा आयोजित वार्षिक चित्रकला प्रदर्शनी व कला प्रदर्शनी में शहर के तीन कलाकारों की चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी कला शिक्षक विद्या सोनी और भिलाई स्टील प्लांट के कर्मी उमाकांत ठाकुर वह राज्य के प्रसिद्ध क्यूरेटर व शिल्पकार राजेंद्र सुनगारिया के चित्रों की प्रदर्शनी तीन दिवसीय लगाई जाएगी । साथ ही छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में भी 15 दिवस के लिए यह तीनों चित्रकार भाग लेंगे, नया रायपुर आर्ट क्लब की सदस्य विद्या सोनी 3 दशकों से कला क्षेत्र में कार्य कर रही हैं वह प्रकृति के रंग बनती हैं । वहीं भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत उमाकांत ठाकुर जाना पहचाना चेहरा है, भिलाई नगर पर भी प्रकृति के लिए काम करते हैं और वही जुझारू कलाकार राजेंद्र सुनगारिया अपने संस्कृति कला के लिए प्रसिद्ध है। इन तीनों कलाकारों की प्रदर्शनी इसके पूर्व भी रायपुर में वार्षिक चित्रकला में प्रदर्शित होती रही है।

बच्चों के पोषण और उज्ज्वल भविष्य पर कलेक्टर का जोर

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नगरी प्रवास के दौरान ग्राम फारसिया के कमापारा स्थित जनमन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण व्यवस्था एवं केंद्र की साफ-सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास, पौष्टिक आहार एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने आंगनबाड़ी पहुंचे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित किए तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने तनिष्का, कुमकुम और सम्राट से फलों के नाम, रंगों की पहचान एवं गिनती पूछी, जिस पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक जवाब देकर अपनी प्रतिभा और सीखने की क्षमता का परिचय दिया। आत्मविश्वास देखकर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यकर्ताओं की सराहना की।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना शासन की पहली प्राथमिकता - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के तहत मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत भनसुला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री द्वारा जिले की महिला स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का मोहला ब्रांड के रूप में शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और सरलता के साथ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और किसी भी समस्या या आवश्यकता को प्रशासन तक सीधे पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवाओं एवं हर वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो तथा जनता को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आज राज्य नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखें।

स्व सहायता समूहों आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की

शिविर में महिला स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित रागी का लड्डू, महुआ का अचार, रागी का आटा, मिलेट्स कुकीज, वर्मी कम्पोस्ट खाद एवं अगरबत्ती जैसे स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने समूह की महिलाओं से उत्पाद निर्माण की प्रक्रिया, विपणन व्यवस्था तथा होने वाले लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने महिलाओं की आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर तैयार किए जा रहे उत्पाद जिले की पहचान बन सकते हैं। ऐसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाएंगे।

हितग्राहियों विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

ग्राम पंचायत भनसुला क्लस्टर के 15 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शिविर में शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों की समस्याएं सुनी गईं तथा कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसे आयोजन गांव स्तर पर लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने क्लस्टर स्तर पर जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए तथा कहा कि जिले के प्राकृतिक एवं सामान्य संसाधनों का बेहतर उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री एवं अन्य उत्पाद तैयार किए जाएं। उन्होंने मोहला ब्रांड को आगे बढ़ाने के लिए महिला समूहों को निरंतर प्रशिक्षण, पैकेजिंग और बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुनाऊ राम फुलकावरे, जिला पंचायत सदस्य शांति बाई त्रिपुरे, कलेक्टर तुलिका प्रजापति सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंचगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सुदूर अंचल की बेटियों को मिला कैंसर से सुरक्षा का कवच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा विकासखंड के अंतर्गत दूरस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिंता में किशोरी बालिकाओं के लिए विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण सत्र का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को भविष्य में होने वाले गंभीर कैंसरों से सुरक्षा प्रदान करना है। अभियान की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लेने जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री ने स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने टीकाकरण प्रक्रिया का निरीक्षण करने के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा वैक्सीन लगवाने आई बालिकाओं और उनके अभिभावकों से संवाद कर उन्हें जागरूक एवं प्रोत्साहित किया।

इस दौरान डॉ. मैत्री ने एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह टीका बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का मजबूत सुरक्षा कवच है। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया यह टीका महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर तथा ओरल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक है। स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 9 से 14 वर्ष आयु की बेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है।

बिंता पीएचसी में आयोजित इस विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों, मितानिनों, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले तथा स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सामूहिक प्रयासों से दूरस्थ क्षेत्र में भी स्वास्थ्य जागरूकता और बेटियों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

चूल्हे-चौके से 'लखपति दीदी' तक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जब हौसलों में उड़ान हो और सरकार की योजनाओं का साथ मिल जाए, तो गाँव की पगडंडियों से निकलकर भी कामयाबी का आसमान छुआ जा सकता है। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ की शशिकला साहू के संघर्ष और स्वाभिमान की वो दास्ताँ है, जिसने आज उन्हें इलाके की सैकड़ों महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बना दिया है।

भीखमपुरा के सुशासन शिविर में उस वक्त सन्नाटा खिंच गया, जब बिलाईगढ़ क्षेत्र की शशिकला साहू मंच पर माइक थामकर खड़ी हुईं। उनकी आँखों में कल का संघर्ष भी था और आज की कामयाबी की चमक भी। उन्होंने जब अपनी कहानी बयां करना शुरू किया, तो पंडाल में बैठी हर महिला की आँखें उम्मीद से चमक उठीं। शशिकला ने बेहद गर्व से कहा कि महिलाएं सिर्फ घर संभालने के लिए नहीं बनीं, अगर उन्हें अवसर मिले तो वे पूरे समाज और देश की प्रगति का इंजन बन सकती हैं। अपनी इस कामयाबी के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार का आभार जताते हुए कहा

कि आज राज्य सरकार की योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के पैरों की बेड़ियां काटकर उन्हें पंख दे रही हैं।

कुछ साल पहले तक शशिकला की जिंदगी इतनी आसान नहीं थी। घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। सुबह उठने के साथ ही सबसे बड़ी चिंता यही होती थी कि घर का खर्च कैसे चलेगा। लेकिन शशिकला हार मानने वालों में से नहीं थीं। साल 2019 में उनकी जिंदगी में एक नया सवेरा हुआ, जब वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन यानी बिहान से जुड़ीं। समूह में कदम रखते ही उन्हें समझ आ गया कि बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है। उन्होंने छोटी-छोटी बचत शुरू की और अपने पैरों पर खड़े होने का सपना बुनने लगीं। शशिकला ने हिम्मत जुटाई और बैंक से 1 लाख रुपये का लोन लेकर एक छोटी सी आटा चक्की शुरू की। शुरुआत में लोगों को लगा कि एक महिला चक्की कैसे चलाएगी? लेकिन शशिकला ने दिन-रात एक कर दिया। चक्की की खट-खट की आवाज के साथ उनकी किस्मत का पहिया भी घूमने लगा। व्यवसाय बढ़ा, आमदनी हुई, और शशिकला ने सबसे पहला काम बैंक कर्ज पुर चुकता किया। एक बार जब सफलता का स्वाद चख लिया, तो शशिकला के सपने और बड़े हो गए। उन्होंने अब सिर्फ गेहूं पीसने तक सीमित रहने से इंकार कर दिया। उन्होंने क्लस्टर लेवल फेडरेशन से 2 लाख रुपये का एक और लोन लिया।

इस बार वे और बड़े विजन के साथ मैदान में उतरीं। उन्होंने दाल, गेहूं और दलहन-तिलहन की अलग-अलग प्रोसेसिंग यूनिट्स और आधुनिक मशीनें खरीद लीं। जो शशिकला कभी सिर्फ एक घरेलू महिला थीं, आज वे एक पूरी प्रोसेसिंग यूनिट की मालकिन बन चुकी थीं। शशिकला ने एक लाख रुपए का पहला ऋण लिया। कारोबार के विस्तार के लिए 2 लाख के अतिरिक्त लोन से नई मशीनें खरीद कर हर महीने करीब 15 हज़ार रुपए की शुद्ध बचत कर रही है।

जनमन योजना से जनजातीय परिवार को मिला पक्के घर का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बुधवार को लोरमी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत अचानकमार के ग्राम शिवलखार पहुंचकर पीएम जनमन आवास योजना के हितग्राही परिवार से मुलाकात की और हितग्राही श्रीमती मुन्नीबाई को नए पक्के आवास की चाबी सौंपकर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने हितग्राही परिवार से आत्मीय संवाद करते हुए शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले पात्र परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जाए।

प्रमुख सचिव बोरा ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ दिलाया जाए तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। हितग्राही मुन्नीबाई ने पक्का आवास मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले कच्चे मकान में बारिश और अन्य मौसम संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब नए पक्के घर से परिवार को सुरक्षा और सम्मान का एहसास हुआ है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत क्षेत्र में संचालित कार्यों और हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी प्रमुख सचिव को दी। इस दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार, डीएफओ अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

माहवारी पर खुली बातचीत से बदल रही सोच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। समाज में लंबे समय से चुप्पी और संकोच के दायरे में रही माहवारी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अब खुलकर संवाद होने लगा है। बलरामपुर जिले में आयोजित माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन जागरूकता गोष्ठी ने न केवल छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक जानकारी दी, बल्कि संवेदनशील और सकारात्मक सामाजिक सोच को भी नई दिशा प्रदान की।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड जिला शाखा के संयुक्त प्रयास से युवाओं को माहवारी से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि छात्र-छात्राओं ने बिना झिझक माहवारी जैसे विषय पर खुलकर चर्चा की। विशेषज्ञों ने सहज और सरल भाषा में बताया कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे लेकर शर्म या डर नहीं बल्कि जागरूकता और समझ की आवश्यकता है। इस दौरान किशोरियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और युवाओं को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में संवेदनशील सोच और पारस्परिक सम्मान बेहद जरूरी है। गोष्ठी में जागरूक बेटी, स्वस्थ बेटी, सशक्त समाज, समृद्ध भारत का संदेश देते हुए माहवारी शिक्षा, पीरियड्स-फ्रेंडली वातावरण, स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच और सम्मानजनक सुविधाओं की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि माहवारी पर खुलकर चर्चा करना केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में किशोरी स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

निगम के विभिन्न वार्डो को मिली 04 करोड़ 85 लाख रू. के विकास कार्यो की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में लगातार जारी विकास कार्यो की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में आज निगम के विभिन्न वार्डो को 04 करोड़ 85 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 03 करोड़ 75 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया, वहीं 01 करोड़ 10 लाख रूपये के विकास कार्य का लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी सहित निगम के अन्य पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 04 राताखार पुल से बजरंग चैक होते हुये बाईपास सड़क तक 02 करोड़ रूपये की लागत से सी.सी.सड़क का निर्माण कार्य किया जाना हैं, इसी प्रकार वार्ड क्र. 04 राताखार सतनाम भवन परिसर के पास 15 लाख रूपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष व किचन शेड का निर्माण, वार्ड क्र. 03 राताखार मुक्तिधाम में 45 लाख रूपये की लागत से व्हूम वेस्ट प्रदूषण मुक्त दाहगृह का प्रदाय स्थापना संचालन एवं संधारण कार्य कराया जाना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 18 कोहड़िया स्थित ब्रम्हकुमारी प्रजापति आश्रम के पास 10 लाख रूपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष निर्माण, वार्ड क्र. 17 भैंसखटाल ढोढ़ीपारा में नहर किनारे सूरज बरेठ घर के पास 06 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच एवं अन्य विस्तार कार्य तथा वार्ड क्र. 03 अंतर्गत 99 लाख 78 हजार रूपये की लागत से टी.पी.नगर जोन कार्यालय का निर्माण कार्य भी कराया जाना हैं, इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किया गया, वहीं 01 करोड़ 09 लाख 51 हजार रूपये की लागत से नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत सेंट्रल स्टोर से स्टेडियम चैक तक रेलिंग सहित डिवाईडर एवं विद्युतीकरण कार्य निगम द्वारा कराया गया है, जिसका लोकार्पण आज उनके करकमलों से किया गया।

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डो में व्यापक स्तर पर विकास कार्य संपादित हो रहे हैं तथा विकास कार्यो के लिये धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही, उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन विभिन्न मदों से लगातार नये-नये विकास कार्य स्वीकृत करा रहे हैं तथा विभिन्न मदों के अंतर्गत विगत 02 वर्षो में निगम क्षेत्र में लगभग 01 हजार करोड़ रूपये के विकास कार्य उनके द्वारा स्वीकृत कराये जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ का हो रहा तेजी से विकास

अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर रही है। उन्होने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने हम सबको छत्तीसगढ़ राज्य को तोहफा दिया था, और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को सजाने संवारने का कार्य कर रहे हैं। उन्होने कहा कि 15 वर्षो तक डॉ.रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री थे, उन्होने जब छत्तीसगढ़ की कमान संभाली उस समय प्रदेश की स्थिति ठीक नही थी, किन्तु उन्होने छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास किया तथा छत्तीसगढ़ के विकास पुरूष कहलायें। मंत्री देवांगन ने कहा कि विगत कुछ वर्षो से प्रदेश का विकास थम गया था किन्तु पिछले 02 वर्षो से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में विकास को पुनः गति व दिशा दी हैं तथा हमारा छत्तीसगढ़ राज्य नई ऊर्जा के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

इस फिल्म में आएंगी नजर; स्ट्रगल्स पर की खुलकर बात

एक्ट्रेस राधिका मदान हाल ही में सूबेदार फिल्म में नजर आईं थीं। अब उन्होंने अपने स्ट्रगल्स और आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर खुलकर बात की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

पति पत्नी और वो दो ने इक्कीस को दी मात बनी साल की 7वीं सबसे बड़ी फिल्म

आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी स्टारर फिल्म पति पत्नी और वो दो हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा को दर्शकों से मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला है। इसी के साथ ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई है। चलिए यहां जानते हैं पति पत्नी और वो दो ने रिलीज के 12 दिनों में कितनी कमाई की है और अपनी कितनी लागत वसूल कर डाली है।

पति पत्नी और वो दो का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा को नई रिलीज चांद मेरा दिल से लेकर कुछ हफ्ते पुरानी भूत बंगला, धुरंधर 2 और कृष्णावतारम पार्ट 1 जैसी कई फिल्मों से मुकाबला करना पड़ रहा है। हालांकि आयुष्मान खुराना की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने की पुरजोर कोशिश कर रही है और एक करोड़ से ज्यादा की ही कमाई कर रही है।

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो पति पत्नी और वो दो ने पहले हफ्ते में 29 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके बाद 8वें दिन इसने 1.35 करोड़, 9वें दिन 2.75 करोड़, 10वें दिन 3.25 करोड़ और 11वें दिन 1.25 करोड़ कमाए। वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पति पत्नी और वो दो ने रिलीज के 12वें दिन यानी मंगलवार को कमाई में मामूली तेजी दिखाते हुए 1.40 करोड़ का कलेक्शन किया। इसी के साथ भारत में फिल्म की 12 दिनों की कुल कमाई अब 39 करोड़ रुपये हो गई है।

60 करोड़ के बजट में बनी टी-सीरीज़ फिल्म्स और बीआर स्टूडियोज़ की इस फिल्म ने अपने अनुमानित इनवेस्टेमेंट का तकरीबन 65% वसूल कर लिया है। वहीं 5 जून, 2026 को है जवानी तो इश्क होना है के आने तक बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कंप्टीशन नहीं है। ऐसे में फिल्म के पास कमाने का अभी काफी मौका है। लेकिन सेफ जोन में आने के लिए सुरक्षित दायरे में आने के लिए 21 करोड़ कमाने की और जरूरत है तभी ये अपनी पूरी लागत भी वसूल कर पाएगी।

सैकनिल्क के मुताबिक, अनन्या की फिल्म ने 5वें दिन, यानी मंगलवार को 2.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं सोमवार को कारोबार 2.25 करोड़ रुपये रहा था। फिल्म अब तक कुल 15.35 करोड़ रुपये कमा सकी है। करण जौहर द्वारा निर्मित इस फिल्म की कमाई 5 दिनों के मुकाबले बेहद निराशाजनक है। वहीं आयुष्मान खुराना की फिल्म पति पत्नी और वो दो ने 12वें दिन 1.40 करोड़ कमाए। फिल्म अब तक कुल 39 करोड़ रुपये कमा सकी है।

एसी कंबल खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की चुनौतियां लेकर आता है, जिनमें से एक है रात के समय ठंडक का अहसास, खासतौर से एसी के इस्तेमाल से शरीर में ठंडक आ जाती है, लेकिन जब इसे बंद कर दिया जाता है तो ठंड लगने का डर रहता है। इस स्थिति से बचने के लिए एसी कंबल का इस्तेमाल किया जाता है। आइए आज हम आपको एसी कंबल खरीदने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें बताते हैं।

सही कपड़ा चुनें

एसी कंबल खरीदते समय उसके कपड़े पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि इसका कपड़ा ही तय करता है कि यह आपको कितनी गर्माहट देगा। सबसे अच्छा होगा कि आप सूती या फिर ऊनी कपड़े वाले एसी कंबल को प्राथमिकता दें क्योंकि ये गर्माहट देने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो नरम कपड़े का भी चयन कर सकते हैं। यह कपड़ा ठंडे मौसम में गर्माहट देने में मदद कर सकता है।

मोटाई का रखें ध्यान

एसी कंबल की मोटाई भी बहुत मायने रखती है। अगर आप गर्मियों के लिए एसी कंबल खरीद रहे हैं तो उसकी मोटाई कम होनी चाहिए ताकि यह आपको आरामदायक लगे। दूसरी ओर सर्दियों के लिए मोटे एसी कंबल को चुनें ताकि आपको गर्माहट भी मिले। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि मोटे एसी कंबल की कीमत ज्यादा होती है, इसलिए अपने बजट के अनुसार ही मोटाई वाले एसी कंबल को खरीदें।

आकार पर दें ध्यान

एसी कंबल खरीदते समय उसके आकार पर भी ध्यान दें। बाजार में कई तरह के आकार के एसी कंबल उपलब्ध होते हैं, इसलिए अपने बिस्तर के आकार के अनुसार ही एसी कंबल का चयन करें। अगर आपका बिस्तर बड़ा है तो बड़े आकार वाला एसी कंबल लें ताकि वह पूरी तरह से आपकी जरूरतों को पूरा कर सके। इसके अलावा आप अपने आकार के अनुसार एसी कंबल खरीद सकते हैं।

रंग और डिजाइन पर गौर करें

एसी कंबल खरीदते समय उसके रंग और डिजाइन पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आप अपने कमरे की सजावट को ध्यान में रखते हुए एसी कंबल खरीदेंगे तो वह आपके कमरे की सुंदरता को और भी बढ़ा देगा। इसके लिए आप अपने कमरे की थीम के अनुसार रंग और डिजाइन का चयन करें। उदाहरण के लिए अगर आपके कमरे में हल्के रंग का फर्नीचर है तो हल्के रंग वाला एसी कंबल अच्छा रहेगा।

कीमत पर दें ध्यान

एसी कंबल की कीमत भी अहम होती है, इसलिए खरीदारी करने से पहले अपने बजट को ध्यान में रखें। आजकल बाजार में सस्ते और महंगे दोनों तरह के एसी कंबल मिलते हैं, इसलिए अपने बजट के अनुसार ही किसी विकल्प को चुनें। अगर आपका बजट सीमित है तो आप ऑनलाइन शॉपिंग का सहारा ले सकते हैं जहां आपको अच्छे दामों पर एसी कंबल मिल जाएंगे।

सामंथा की फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर सुरक्षा घेरा तोड़कर स्टेज पर पहुंचा फैन, शरमा गई अभिनेत्री

फिल्म 'मा इंटी बंगारम' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक प्रशंसक ने मंच पर आकर सामंथा रुथ प्रभु के लिए कुछ ऐसा किया कि वह शरम से लाल हो गईं। अभिनेत्री के इस वीडियो ने इंटरनेट पर फैंस का दिल जीत लिया है।

हैदराबाद में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की आने वाली फिल्म 'मा इंटी बंगारम' का ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान एक प्रशंसक अचानक सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच पर आ गया। इस दौरान इस फैन ने कुछ ऐसा किया कि वहां पर मौजूद सामंथा के पति राज निदिमोरु भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और उसे देखकर दंग रह गए।

दरअसल, हाल ही में सामंथा की फिल्म 'मा इंटी बंगारम' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट हैदराबाद में हुआ। इस दौरान कई फैंस सामंथा का प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए पहुंचे। इसी बीच एक फैन अचानक से स्टेज पर चढ़ गया। उसने घुटने टेककर सामंथा को फूल दिए, जिसे देखकर सामंथा हैरान रह गईं और शरमा गईं। उस समय मंच पर उनके साथ फिल्म निर्माता और सामंथा के पति राज निदिमोरु भी देखकर दंग रह गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि जब राज दर्शकों से बात कर रहे थे, तभी वह फैन मंच पर आ गया। अचानक हुई इस घटना से एक पल के लिए वहां मौजूद सभी लोग चौंक गए।

जब सुरक्षाकर्मी उस फैन को मंच से हटाने लगे, तो सामंथा ने उन्हें रोक दिया और कहा कि कोई बात नहीं। सामंथा ने मुस्कुराते हुए फैन के फूल स्वीकार किए और बाद में खड़े होकर उसके साथ खुशी-खुशी सेल्फी भी खिंचवाई। सोशल मीडिया पर लोग सामंथा के इस प्यारे और शांत व्यवहार की जमकर तारीफकर रहे हैं। फिल्म 'मा इंटी बंगारम' के ट्रेलर में सामंथा एक ग्रामीण परिवेश में एक्शन और दमदार रोल में नजर आ रही हैं। वह एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए किसी भी मुश्किल से लड़ सकती है। इस पारिवारिक एक्शन-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है, जबकि इसके निर्माता राज निदिमोरु हैं। फिल्म 'मा इंटी बंगारम' में सामंथा के साथ गुलशन देवैया, दिगांथ, श्रीमुखी और गौतमी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। सामंथा के अपने प्रोडक्शन हाउस 'ट्रालला मूविंग पिक्चर्स' के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की रिलीज का सामंथा के फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

टीवीएफ की नई सीरीज द पिरामिड स्कीम का ऐलान, 5 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

द वायरल फीवर (टीवीएफ) ने अपनी नई वेब सीरीज द पिरामिड स्कीम का ऐलान किया है। पहले पोस्टर के साथ इसकी रिलीज तारीख और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का खुलासा भी कर दिया गया है। आशीष आर शुक्ला और श्रेयांश पांडे के निर्देशन में बनी यह सीरीज महत्वाकांक्षा, लालच और रातोंरात पैसे कमाने के वादे के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। इसमें मुख्य किरदारों में परमवीर सिंह चीमा, रणवीर शौरी और शेखर सुमन नजर आएंगे।

सीरीज के पोस्टर में परमवीर और रणवीर नजर आ रहे हैं। उनके पीछे सबसे बड़ा घोटाला और लाखों ठगे गए जैसी हैडलाइन वाले अखबार के पन्ने को दर्शाया गया है। कहानी गोल्डी नाम के एक उद्यमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बेहतर जिंदगी के लिए खुद को पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध में खिंचा हुआ पाता है। जल्द ही सीरीज लालच, महत्वाकांक्षा और विश्वासघात की दुनिया में ले जाती है। इसका प्रीमियर 5 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

लोग क्या कहेंगे, यह सोचकर मत रुकिए

रश्मि देसाई ने बॉडी शेमिंग झेल रहीं महिला का बढ़ाया हौसला

अभिनेता राजीव खंडेलवाल के होस्टिंग शो तुम हो ना के आने वाले एपिसोड में एक प्रेरणादायक कहानी देखने को मिलेगी। दरअसल, इस एपिसोड में खास मेहमान बनकर आईं अभिनेत्री रश्मि देसाई ने कंटेस्टेंट बीना का हौसला बढ़ाया। बीना ने शो में खुलकर बताया कि उन्हें अपने वजन की वजह से बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि समाज अक्सर बाहरी रूप देखकर राय बना लेता है, लेकिन वह इन बातों से टूटना नहीं चाहतीं।

शो में बीना ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके लिए डांस एक इमोशन है। उन्होंने कहा, मैं मानती हूं कि डांस दिल से होता है, शरीर से नहीं। मैंने जिंदगी में कई मुश्किलें देखी हैं, लेकिन फिर भी अपने हुनर और सपनों को नहीं छोड़ा।

बीना की कहानी सुनकर रश्मि देसाई काफी भावुक हो गईं। उन्होंने बीना को हिम्मत देते हुए कहा, दुनिया में लोग हमेशा कुछ न कुछ बोलते ही रहते हैं। अगर लोगों के पास बात करने के लिए कुछ नहीं होगा, तो वे किसी और टॉपिक पर बात करने लगेंगे। इसलिए दूसरों की सोच और बातों से खुद को रोकना सही नहीं है।

रश्मि ने बीना से कहा, आप अपनी बेटी के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। एक मां जब मुश्किल हालात में भी अपने सपनों के लिए लड़ती है, तो उसका असर बच्चों पर भी पड़ता है। इसलिए आप कभी हार न मानें और अपने डांस को जारी रखें।

रश्मि देसाई ने समाज की सोच पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, छोटे शहरों और कस्बों में अक्सर लोग दूसरों की जिंदगी को लेकर ज्यादा बातें करते हैं, क्योंकि वहां सोच का दायरा थोड़ा सीमित होता है। लेकिन आखिर में जिंदगी हर इंसान की अपनी होती है और उसे कैसे जीना है, यह फैसला भी खुद का होना चाहिए। किसी के ताने या आलोचना की वजह से अपने सपनों को रोक देना सही नहीं है।

रश्मि ने महिलाओं की जिंदगी को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, शादी और बच्चों के बाद कई महिलाएं खुद को पीछे छोड़ देती हैं। उनकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं और वह परिवार के लिए जीने लगती हैं। यह एक आम बात है, क्योंकि ज्यादातर माताएं अपने बच्चों और परिवार को सबसे पहले रखती हैं। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि महिलाएं अपने सपनों और अपनी पहचान को पूरी तरह न भूलें।

उन्होंने अपने परिवार का उदाहरण देते हुए कहा, मुझे हमेशा अपने भाई का साथ मिला है। मेरे परिवार में बचपन से ही एक-दूसरे को सपोर्ट करना सिखाया गया। मैं मानती हूं कि परिवार का साथ किसी भी इंसान को जिंदगी में आगे बढ़ने की ताकत देता है।

पशुपालन और सब्जी बाड़ी से 'लखपति दीदी' बनीं निधि तिवारी

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही राज्य सरकार की योजनाएं, निधि की मेहनत और सफलता देखने कार्यस्थल पहुंचे कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी का परिणाम है कि गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पेण्ड्रा विकासखण्ड के ग्राम अमरपुर की निधि तिवारी आज 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

साधारण ग्रामीण परिवार से आने वाली निधि तिवारी ने वर्ष 2023 में बिहान योजना के तहत दीप महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया। वे समूह की सक्रिय सदस्य होने के साथ-साथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

पशुपालन से नियमित आय

समूह से जुड़ने के तीन महीने बाद निधि को बिहान योजना के तहत चक्रीय निधि (आरएफ) से 10 हजार रुपये की सहायता मिली। इस राशि से उन्होंने जर्सी नस्ल की गाय खरीदी और पशुपालन शुरू किया। उनकी गाय प्रतिदिन लगभग 15 लीटर दूध देती है, जिससे नियमित आय का जरिया बना।

सब्जी की खेती से बेहतर आय

निधि की मेहनत और लगन को देखते हुए छह महीने बाद उन्हें सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के तहत 60 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। अपनी बचत और अतिरिक्त राशि जोड़कर उन्होंने खेतों में सब्जी बाड़ी का कार्य प्रारंभ किया। मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियों की खेती कर वे लगातार बेहतर आय अर्जित कर रही हैं। मार्च में निधि ने अपने खेत में टमाटर की फसल लगाई। अच्छी देखभाल और मेहनत से फसल बेहतर हुई और अब वे स्थानीय बाजारों में लगभग 40 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेच रही हैं। इससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पशुपालन और सब्जी उत्पादन से निधि की वार्षिक आय लगभग ढाई लाख रुपये तक पहुंच गई है।

निधि तिवारी का कहना है कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि अपने सपनों को भी साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं और बिहान मिशन के सहयोग ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की नई दिशा दी है।

निधि की सफलता और नवाचार से प्रभावित होकर गौरेला- पेण्ड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन स्वयं उनके कार्यक्षेत्र पहुंचे और पशुपालन एवं सब्जी बाड़ी कार्यों का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने निधि की मेहनत, लगन और आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए कहा कि बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है और स्वरोजगार के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बना रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे ने भी निधि की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए नई उम्मीद और आत्मविश्वास का माध्यम बनी है। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं अब अपने परिवार और गांव की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

निधि तिवारी की सफलता इस बात का जीवंत उदाहरण है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मान और समृद्धि की नई पहचान दे रही हैं।

खास खबर

महानदी उद्गम क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

धमतरी। नगरी विकासखंड के ग्राम फारसिया स्थित महामाया मंदिर परिसर में संचालित सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता एवं समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र ठाकुर, एसडीएम प्रीति दुर्गम सहित संबंधित अधिकारी । गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे । अधिकारियों ने बताया कि मंदिर परिसर में सोलर लाइट स्थापना का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही तेवर ब्लॉक निर्माण, नारियल पौधरोपण, पार्क निर्माण, बैठने हेतु चेयर स्थापना सहित विभिन्न सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। हाल ही में मंदिर परिसर स्थित पवित्र कुंड की साफ-सफाई भी कराई गई है। कलेक्टर मिश्रा ने कुंड की आवश्यक मरम्मत एवं संरक्षण कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें तथा स्थल की धार्मिक गरिमा और आकर्षण बना रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा को जीवनदायिनी जलधारा प्रदान करने वाली महानदी का उद्गम क्षेत्र है।

सुशासन शिविर में श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मछली जाल और नवीन पेंशन का मिल रहा लाभ

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम केड़ार में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया गया, जहां भारी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने पंजीयन काउंटर में अपनी मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। जिले के अधिकारियों ने मंच के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में दिशा आदर्श स्व सहायता समूह द्वारा ब्रेड एवं विभिन्न छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्टॉल भी लगाया गया, जहां ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक खरीदारी की। शिविर में विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 7 हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, मत्स्य पालन विभाग द्वारा हितग्राहियों को आइस बॉक्स, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 8 हितग्राहियों को नवीन पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र, वहीं 5 लखपति दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विधायक लता उसेंडी ने बम्हनी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन का किया लोकार्पण

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने गुरुवार को ग्राम बम्हनी में 16 लाख 36 हजार रुपए की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य (आयुष) मंदिर भवन का लोकार्पण किया।लोकार्पण अवसर पर विधायक उसेंडी ने कहा कि राज्य शासन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आयुर्वेद आधारित उपचार एवं परामर्श की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो प्राकृतिक एवं सुरक्षित उपचार पद्धति के रूप में लोकप्रिय है। ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष सेवाओं को बढ़ावा देकर आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

एसआर हॉस्पिटल के पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स के छात्र-छात्राओं को दुर्ग पुलिस कप्तान ने दिए प्रमाण पत्र

दुर्ग पुलिस ने छात्रों को साइबर सुरक्षा और नए बी.एन.एस. कानून के नियम की जानकारी दी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। चिखली (दुर्ग) स्थित प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्से के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मार्कशीट वितरण और कानूनी जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों में एसपी विजय अग्रवाल ,डॉक्टर संकल्प रॉय(सायबर सेल) ने शिरकत की।

संस्थान में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे- ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन , एक्स-रे टेक्नीशियन और पैथोलॉजी लैब टैक्नीशियन के 79 छात्र छात्राओं का रिजल्ट पास रहा है ।जिसमे पैथोलॉजी के 20 छात्र-छात्राएं ,एक्स-रे टेक्नीशियन में 30 एवं ऑपरेशन थिएटर टेकनीशियन में 30 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी थी। जिसमे पैथोलॉजी में प्रथम ईशा राठौड़,द्वितीय नीलम झांडगे ,तृतीय ओमेश्वरी साहू इसी तरह ओ.टी.तकनीशियन में प्रथम गोवर्धन पटेल,द्वितीय डॉली जंघेल,तृतीय ,देवनारायण एवं एक्स - रे तकनीशियन प्रथम -भूपेश चंद्राकर,,द्वितीय पूरनलाल,तृतीय देवेन्द्र कुमार को प्रमाणपत्र दिया गया. अपनी डिग्री और अंकसूची पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। संस्थान के चेयरमैन संजय तिवारी ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मार्कशीट वितरण के साथ ही इस कार्यक्रम में छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। दुर्ग पुलिस की टीम ने कॉलेज के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को साइबर क्राइम के बढ़ते खतरों, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के तरीकों और सोशल मीडिया सुरक्षा के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही, पुलिस अधिकारियों ने देश में लागू हुए नए बी.एन.एस. (भारतीय न्याय संहिता) कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उपस्थित जनों को बताया गया कि नए कानूनी बदलावों के तहत नागरिकों के क्या अधिकार और कर्तव्य हैं। संस्थान के प्रबंधन ने इस सत्र को छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास की दृष्टि से अत्यंत हितकारी और ज्ञानवर्धक बताया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर सुधरा सोलर पम्प, ग्रामीणों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन की संवेदनशील पहल और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक उदाहरण सूरजपुर जिले के अत्यंत दूरस्थ वनांचल ग्राम बेलामी, पंचायत घुईडीह, विकासखंड ओड़गी में देखने को मिला, जहां लंबे समय से प्रभावित सोलर पम्प का सुधार कार्य मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर त्वरित रूप से पूरा कराया गया।

वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए पेयजल और दैनिक उपयोग के पानी की समस्या किसी चुनौती से कम नहीं थी। ऐसे में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्रामीणों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल क्रेडा विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश के बाद विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर सोलर

पम्प का सुधार कार्य पूर्ण किया, जिससे गांव में फिर से पानी की सुविधा सुचारु हो गई।

सोलर पम्प के चालू होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। गांव के लोगों ने इसे केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि संवेदनशील जनप्रतिनिधित्व और ग्रामीण हितों के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। क्रेडा विभाग के जिला प्रभारी सुजीत श्रीवास्तव की उपस्थिति में सुधार कार्य सम्पन्न हुआ।

गंगालूर जैसे रिमोट एरिया में कुपोषण मुक्त अभियान की बड़ी सफलता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को बीजापुर जिले में लगातार जमीन पर उतारा जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अब दूरस्थ अंचलों में भी बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी का प्रेरणादायी उदाहरण है बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र कोटिया पारा का ढाई वर्षीय बालक अरुण हेमला, जिसने सतत देखभाल, सही पोषण और सामुदायिक सहयोग से कुपोषण को मात देकर सामान्य श्रेणी में वापसी की है।

यह कहानी केवल एक बच्चे के स्वस्थ होने की नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं, विभागीय प्रतिबद्धता और सामुदायिक सहभागिता की जीवंत मिसाल है। अरुण हेमला, पिता मंगू हेमला एवं माता शर्मीला हेमला का जन्म 21 दिसंबर 2023 को हुआ था। जन्म के समय उसका वजन 2.500 किलोग्राम था। बार-बार बीमार पड़ने तथा घर में पर्याप्त भोजन नहीं कर पाने के कारण उसका वजन लगातार कम बना रहा। अप्रैल 2025 में स्थिति गंभीर होने पर उसे पोषण पुनर्वास केंद्र बीजापुर में भर्ती कराया गया, जहां भर्ती के समय उसका वजन मात्र 8.600 किलोग्राम था, जो उसकी उम्र के अनुसार अत्यंत कम माना गया।

पोषण पुनर्वास केंद्र से डिस्चार्ज होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने अरुण के स्वास्थ्य सुधार को मिशन की तरह लिया। पर्यवेक्षक उषा वर्मा के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुमीता सोरी, सहायिका सोनिया माज्जी, मितानिन देवली वाचम एवं ए.एन.एम. शोभा किरण मिंज ने लगातार समन्वित प्रयास किए। टीम ने घर-घर जाकर न केवल बच्चे की निगरानी की।

बीजापुर में रेड डॉट अभियान ने पकड़ी रफ्तार- गांव-गांव तक पहुँच रहा माहवारी स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो 28 मई माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बीजापुर द्वारा चलाए जा रहे रेड डॉट अभियान ने पूरे जिले में जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। गाँव की चौपाल से लेकर गारमेंट फैक्ट्री तक, हर जगह माहवारी को लेकर व्याप्त शर्म और मिथकों को तोड़ने का काम जोरों पर है।

जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को अभियान का मुख्य केंद्र बनाया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा किशोरी बालिकाओं व महिलाओं के साथ माहवारी स्वच्छता प्रबंधन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में सेनेटरी पैड के सही उपयोग, साफ-सफाई और पुरानी मान्यताओं पर खुलकर चर्चा हो रही है।

बीजादूतीर स्वयंसेवकों की टोलियां गाँव-गाँव जाकर किशोरियों और महिलाओं से सीधा संवाद कर रही हैं। वहीं मितानिन दीदियां घर-घर जाकर महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता और रेड डॉट अभियान के महत्व से जोड़ रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मितानिनों ने हथेली पर लाल बिंदी लगाकर माहवारी शर्म नहीं, सम्मान है का संदेश दिया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बीजापुर के जिला रेड क्रॉस अधिकारी नरवेद सिंह ने भी रेड डॉट अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। रेड क्रॉस के सदस्यों ने किशोरियों के बीच जाकर माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता सत्र लिए और हाइजीन किट वितरण में सहयोग किया। रेड क्रॉस के सदस्यों ने भी हथेली पर रेड डॉट लगाकर स्वास्थ्य ही सेवा है के संकल्प को दोहराया।

बच्चों की करुण पुकार, बन्द हो पशुओं पर अत्याचार

रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी सहित सकल जैन समाज ने पशुओं पर अत्याचार से द्रवित होकर जीवदया व अभयदान की भावना से नवकार महामंत्र का जाप किया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट, भैरव सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्वभर में पशुओं पर अत्याचार का शोर है। गुरुवार प्रात: ही जिनमंदिर व स्थानक परिसर में एकत्र होकर बच्चों ने नवकार जाप किया। प्रार्थना में बच्चों की करुण पुकार बन्द हो पशुओं पर ये अत्यचार। जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने अहिंसा परमो धर्म, करुणा, सभी जीवों के प्रति दया भाव से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

पीरियड पर खुलकर थीम के साथ महिला कैदियों के बीच जागरूकता

सेंट्रल जेल जगदलपुर में मनाया गया मासिक धर्म स्वच्छता दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। मासिक धर्म को लेकर समाज में व्याप्त झिझक और भ्रांतियों को दूर करने तथा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को सेंट्रल जेल जगदलपुर में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह विशेष कार्यक्रम पीरियड पर खुलकर थीम पर आधारित था।

कार्यक्रम में जेल में निरुद्ध लगभग 150 महिला कैदियों ने सहभागिता की। महिलाओं के बीच इस विषय को लेकर संकोच और झिझक का माहौल दिखाई दिया, लेकिन संवाद आगे बढ़ने के साथ वातावरण आत्मीय और सहज होता गया। गाइड कैप्टन एवं जिला सचिव ने मासिक धर्म से जुड़े विषयों को महिलाओं के दैनिक जीवन और स्वास्थ्य से जोड़ते हुए बेहद संवेदनशील तरीके से चर्चा की, जिससे महिलाएं खुलकर अपनी बात रखने लगीं।

इसी दौरान महिला कैदी पदमा ने गोंडी भाषा में पहली बार अपने प्रथम मासिक धर्म के अनुभव और उस समय की मानसिक स्थिति साझा की। उनके अनुभव साझा करने के बाद अन्य महिलाओं ने भी साहस दिखाते हुए मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक समस्याओं, सामाजिक संकोच और पारिवारिक चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की। इस संवाद ने कार्यक्रम को बेहद भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। वक्ताओं ने बताया कि मासिक धर्म केवल महिलाओं से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इसमें पुरुषों की जागरूकता और संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है। यदि परिवार और समाज में पुरुष वर्ग इस विषय को समझेगा, तो महिलाओं को इन दिनों में अधिक सहयोगी और सकारात्मक वातावरण मिल सकेगा। जिला संगठन आयुक्त दसरू यादव ने महिला कैदियों को मासिक धर्म के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां भी दीं। समापन अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री जेपी पाठक ने इस तरह के संवेदनशील और शिक्षाप्रद आयोजन के लिए जेल प्रशासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर तथा यूनिसेफ द्वारा चलाया जा रहा यह जागरूकता अभियान लगातार विस्तार पा रहा है। इसके तहत 27 मई को 'नई उड़ान' समर कैंप में भी युवाओं के बीच मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर खुली चर्चा आयोजित की गई थी।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

गूगल अपडेट के नाम पर 1.99 लाख की ठगी

दुर्ग में ठगों ने ठेकेदार का मोबाइल हैक किया, 3 बार में निकली रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में साइबर अपराधियों ने 'गूगल अपडेट' के नाम पर ठेकेदार के बैंक खाते से 1.99 लाख रुपए की ठगी की है। ठगों ने मोबाइल हैक कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर मोहन नगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक शंकर नगर दुर्ग निवासी महेंद्र कुमार देशलहरा (36) ठेकेदारी का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 22 मई 2026 को उनके मोबाइल पर 'गूगल अपडेट' से संबंधित एक मैसेज आया था। इसे सामान्य सिस्टम अपडेट समझकर उन्होंने मैसेज खोल दिया।

मैसेज खोलते ही उनका मोबाइल फोन असामान्य तरीके से काम करने लगा। फोन के कई सिस्टम अचानक बंद हो गए। मोबाइल हैंग होने लगा। इसी दौरान साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते तक पहुंच बना लेते हुए वारदात को अंजाम दिया।

दो दिनों में तीन बार में निकली रकम

पीड़ित के अनुसार, 22 मई को सुबह करीब 11:30 बजे उनके बंधन बैंक खाते से 94,999 रुपए निकाले गए। इसके ठीक एक मिनट बाद सुबह 11:31 बजे 5,001 रुपए ट्रांसफर हो गए। अगले दिन, 23 मई को शाम करीब 4 बजे फिर 99,500 रुपए खाते से निकाल लिए गए।

इस तरह कुल 1,99,500 रुपए की ठगी हुई। महेंद्र कुमार ने बताया कि ठगी के दौरान उनका मोबाइल पूरी तरह से उनके नियंत्रण से बाहर हो गया था। कोई भी सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा था।

लगातार रकम कटने के बाद पीड़ित ने पहले बैंक, साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उन्होंने मोहन नगर थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया। शिकायत के साथ बैंक खाते की डिटेल, साइबर कंप्लेन की कॉपी भी पुलिस को सौंपी गई है।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच में मामला साइबर फ्रॉड का पाए जाने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल हैकिंग से बढ़ रहे साइबर अपराध

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक साइबर अपराधी अब फर्जी लिंक, अपडेट मैसेज, APK फाइल के जरिए लोगों के मोबाइल फोन को हैक कर रहे हैं। एक बार फोन का एक्सेस मिलते ही ठग बैंकिंग ऐप, ओटीपी, निजी जानकारी तक पहुंच बना लेते हैं।

अनजान लिंक खोलने से बचें

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अनजान लिंक, अपडेट, एप्लिकेशन को बिना सत्यापन ओपन नहीं करना चाहिए। मोबाइल पर आने वाले फर्जी सिस्टम अपडेट मैसेज साइबर अपराधियों का नया हथियार बन चुके हैं। फिलहाल पुलिस ट्रांजेक्शन डिटेल, मोबाइल डेटा, बैंकिंग ट्रेल के आधार पर साइबर ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

खास खबर

बदमाशों का निकाला गया जुलूसः पुलिस ने सिखाया कानून का पाठ

कोरबा। शहर के सीतामणी चैक क्षेत्र में सरेआम मारपीट कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। हाल ही में सीतामणी चैक इलाके में कुछ युवकों ने खुलेआम मारपीट कर क्षेत्र में दहशत फैलाने की कोशिश की थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों का इलाके में पैदल जुलूस निकालकर सख्त संदेश दिया कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य आम नागरिकों के मन से बदमाशों का डर खत्म करना और अपराधियों में कानून का भय पैदा करना है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। लोगों का कहना है कि खुलेआम गुंडागर्दी करने वालों के खिलाफ इस तरह की सख्ती जरूरी है, ताकि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। कोतवाली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह की गुंडागर्दी, मारपीट या दहशत फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बाइक में भरकर बेचने निकले थे शराब, पुलिस ने 4 तस्करों को दबोचा

दुर्ग। ग्रामीण इलाकों में शराब खपाकर मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी थी, लेकिन रास्ते में ही दुर्ग पुलिस ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। पुलिस को 28 मई 2026 को सूचना मिली थी कि उतई से गोल्डन परिसर जाने वाले रास्ते में दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने शराब भट्टी रोड गोल्डन परिसर के पास घेराबंदी कर नीलकंठ पिता मानदास उम्र 46 वर्ष और लेखराज पिता स्वर्गीय घनश्याम पारधी उम्र 38 वर्ष निवासी पारधीपारा ग्राम गनियारी थाना पुरानी भिलाई को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से 40 पौवा देशी मसाला शराब कुल 7.2 बल्क लीटर कीमती 4000 रुपये और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सीजी-07-सीडी-5188 जब्त की गई। इसी दौरान इंदिरा चौक उतई के पास दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने अभिषेक देशलहरे पिता रामरतन देशलहरे उम्र 26 वर्ष और चंद्रभान देशलहरे पिता कृष्णा देशलहरे उम्र 22 वर्ष निवासी पाउवारा थाना रनचिरई जिला बालोद को पकड़ा। इनके कब्जे से 33 पौवा देशी मसाला शराब कुल 5.940 बल्क लीटर कीमती 3300 रुपये और स्प्लेंडर बाइक सीजी-07-बीएच-0372 जब्त की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अधिक मुनाफा कमाने के लिए शराब की अवैध तस्करी करना स्वीकार किया। दोनों मामलों में थाना उतई में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दुर्ग पुलिस ने साफ कहा है कि नशे और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ग्रामीण इलाकों में जहर बेचने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

तालाब में बच्चों को मिली लाश : कोरबा में नहाने के दौरान बच्चा टकराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के सेमीपाली गांव में गुरुवार दोपहर तालाब में नहाने गए बच्चों को एक शव मिला। बच्चे तालाब में छलांग लगा रहे थे, तभी एक बच्चा पानी के अंदर किसी चीज से टकराया। दोबारा छूने पर उसे पता चला कि वह एक शव है। बच्चों ने चीख-पुकार मचाते हुए बाहर निकलकर ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। इसकी पहचान बजरंग कंवर (37) के रूप में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग के रिश्तेदार तत्काल मौके पर पहुंचे। शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी वंदना कंवर ने पुलिस को बताया कि वह काम पर गई हुई थी। घर पर दो बच्चे थे। उनके पति बजरंग कंवर नहाने के लिए तालाब गए थे। ग्रामीणों से उन्हें पति के डूबने से मौत होने की सूचना मिली।

तालाब के पास मिले कपड़े

उन्होंने बताया कि उन्हें नहीं पता कि उनके पति की मौत कब, कैसे, किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस के अनुसार, तालाब के पास मृतक के कपड़े मिले हैं। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह नहाने के लिए तालाब में उतरे थे। डूबने से उनकी मौत हो गई। हालांकि, उनकी मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाना जांच का विषय है।

अस्पताल चौकी पुलिस ने दर्ज किया बयान

मृतक बजरंग कंवर मजदूरी का काम करते थे। इस मामले में जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक के परिजनों का बयान दर्ज कर लिया है। आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कुशालपुर में गैंगवार, स्कॉर्पियो और बाइक सवार युवक टूट पड़े एक-दूसरे पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक बार फिर बीच सड़क पर गैंगवार की घटना सामने आई है। कुशालपुर रिंग रोड पर अचानक एक स्कॉर्पियो वाहन ने बाइक सवार युवकों को रोक लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। सड़क पर मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों ओर से युवक हथियार लेकर पहुंचे थे और एक-दूसरे पर हमला करने लगे। कुछ युवकों के हाथों में चाकू और फरसे थे, जबकि अन्य लाठी-डंडों से हमला कर रहे थे। घटना के दौरान सड़क पर चीख-पुकार और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

गैंगवार के दौरान सड़क पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने डर के

कारण दूरी बना ली और कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन में घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि युवक एक-दूसरे पर जानलेवा हमला कर रहे हैं। वहीं, सड़क से गुजर रहे वाहन चालक भी भयभीत नजर आए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते भीड़ इकट्ठा नहीं होती, तो घटना और भी गंभीर हो सकती थी। बताया जा रहा है कि जैसे ही आसपास के लोगों की भीड़ जुटने लगी, सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डीडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में जांच शुरू की गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। फिलहाल विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक आशंका पुरानी रंजिश या गैंग प्रतिद्वंद्विता की जताई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। कुछ संदिग्ध युवकों की पहचान भी की गई है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग लगातार क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर चिंता जता रहे हैं।

चापड़ और तलवार संग दहशत फैलाने वाले दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

बिलासपुर। रामायण चौक और पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पास दो युवक धारदार हथियार लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहे हैं और गाली-गलौज कर माहौल खराब कर रहे हैं। सूचना मिलते ही सरकंडा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद बाबू अंसारी उर्फ करीम पिता मोहम्मद मंसूर अंसारी उम्र 21 वर्ष निवासी चांटीडीह रामायण चौक सरकंडा और राजा ठाकुर पिता स्व. रामनिहोर उम्र 24 वर्ष निवासी सूर्या चौक चिंगराजपारा सरकंडा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक धारदार तलवार और एक चापड़ बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सरकंडा में धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मंदिर हसौद में युवक की हत्या का खुलासा, 4 हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे मंदिर हसौद क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। 22 मई से लापता युवक भुवनेश्वर यादव की हत्या कर शव को महानदी किनारे रेत में दफनाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने निर्दलीय पार्षद नोहर दास उर्फ गोलू रात्रे सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक भुवनेश्वर यादव नकटी गांव का निवासी था और मोनेट कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। युवक के लापता होने पर परिजनों ने मंदिर हसौद थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना वाले दिन मंदिर हसौद शराब भट्ठी के पीछे कुछ लोग बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान पानी को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि इसी विवाद में भुवनेश्वर यादव और निर्दलीय पार्षद गोलू रात्रे के बीच तीखी बहस हुई।

पुलिस के अनुसार विवाद बढ़ने पर आरोपी युवक को कार में बैठाकर महासमुंद जिले के महानदी किनारे नांदगांव घाट क्षेत्र ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने शव को रेत में दफनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की।

तकनीकी साक्ष्य और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। जांच में यह भी सामने आया कि घटना की शाम भुवनेश्वर यादव ने अपनी पत्नी से फोन पर बात की थी और पार्षद से भी उसकी बातचीत कराई गई थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर महानदी किनारे से शव बरामद कर लिया है। चूंकि घटना स्थल महासमुंद जिले में आता है, इसलिए मामले की आगे की जांच महासमुंद पुलिस को सौंप दी गई है। पुलिस सभी आरोपियों की भूमिका, साजिश और सबूत मिटाने के पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शराब माफियाओं पर लालबाग पुलिस का शिकंजा, महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कॉलोनी और बाजार चौक में खुलेआम बिक रही थी अवैध शराब, पुलिस की रेड पड़ते ही मच गया हड़कंप, राजनांदगांव जिले के लालबाग थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला सहित दो शराब कोचियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में शराब, बिक्री रकम और परिवहन में इस्तेमाल किया जा रहा तीन पहिया एक्टिवा वाहन जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना लालबाग प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल की टीम ने 27 मई को मुखबिर सूचना पर अलग-अलग स्थानों में दबिश दी। पहली कार्रवाई न्यायालयिक कर्मचारी परिसर पेंड्री के पास की गई, जहां हिना साहू पति स्वर्गीय वीरेन्द्र साहू उम्र 46 वर्ष निवासी अटल आवास थाना लालबाग को अवैध शराब बिक्री करते पकड़ा गया।

आरोपी महिला के कब्जे से 37 अदधा शोले देशी प्लेन शराब, 13.875 बल्क लीटर शराब, बिक्री रकम 500 रुपये और एक तीन पहिया एक्टिवा वाहन समेत कुल 36,420 रुपये की संपत्ति जप्त की गई। दूसरी कार्रवाई अटल आवास बाजार चौक पेंड्री के पास हुई, जहां आशीष गुप्ता पिता प्रीत राम गुप्ता उम्र 30 वर्ष निवासी अटल आवास पेंड्री थाना लालबाग को 85 पौवा देशी प्लेन शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 6.300 बल्क लीटर शराब और 300 रुपये बिक्री रकम बरामद हुई। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हो चुकी है। फिलहाल लालबाग पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में दहशत फैल गई है और पुलिस ने साफ कर दिया है कि नशे का धंधा करने वालों पर आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्कैप के अवैध परिवहन पर पुलिस ने कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में अवैध स्क्रैप परिवहन पर पुलिस ने शिकंजा कसते हुए कनकी नहर पुल के पास बड़ी कार्रवाई की है। उरगा पुलिस ने एक माजदा वाहन से करीब 10 टन संदिग्ध कबाड़ जब्त किया है।

प्रारंभिक जांच में स्क्रैप को जांजगीर ले जाने की तैयारी होने की बात सामने आई है। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि उरगा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से कबाड़ का संग्रहण और परिवहन किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कनकी नहर पुल के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। जांच के दौरान वाहन में भारी मात्रा में लोहे का स्क्रैप मिला, जिसकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

वाहन चालक से पूछताछ में पता चला कि जब्त कबाड़ राजेश कर्ष नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। चालक ने पुलिस को जानकारी दी कि स्क्रैप को जांजगीर ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 102 के तहत कार्रवाई करते हुए स्क्रैप और अन्य संदिग्ध वाहनों को जब्त कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटेल ने बताया कि जब्त माल के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि स्क्रैप कहां से लाया गया और इसका स्रोत क्या है।

कोरबा जिले में अवैध कबाड़ कारोबार लगातार प्रशासन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि औद्योगिक क्षेत्रों, बंद खदानों और सरकारी परिसरों से चोरी किए गए लोहे को अवैध रूप से खपाने का नेटवर्क सक्रिय है।

बिलासपुर में 180 क्विंटल अमानक खाद जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देशों के बावजूद खाद विक्रय में अनियमितताएं सामने आ रही हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने जांच की, जिसमें रतनपुर की एक दुकान से 180 क्विंटल अमानक खाद जब्त की गई।

कृषि विभाग ने 5 दुकानों की जांच की

कृषि विभाग की टीम ने सेवा सहकारी समिति चपोरा, महेश्वरी कृषि केंद्र रतनपुर, मेंसर्स गुप्ता ग्रेन मर्चेंट रतनपुर, सेवा सहकारी समिति रतनपुर और उन्नत कृषि सेवा केंद्र रतनपुर की जांच की। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में अभिलेखों और भंडारण संबंधी अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद संबंधित संस्थाओं और विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि विभाग की चेतावनी

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मेंसर्स गुप्ता ग्रेन मर्चेंट रतनपुर में लगभग 180 क्विंटल अमानक उर्वरक एनपीके 20:20:0:13 भंडारित पाया गया। इस मात्रा के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कृषि विभाग के उप संचालक पीडी हथेश्वर ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ताहीन या अमानक कृषि आदानों के विक्रय पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्लांट में गार्ड की मौत : दो घंटे तक घटना को दबाया

रायगढ़। एमएसपी प्लांट में बुधवार दोपहर ड्यूटी के दौरान एक सुरक्षा गार्ड की ट्रेलर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद करीब दो घंटे तक मामले को प्लांट परिसर में दबाकर रखा गया। जहां घटना हुई, उस ड्यूटी पॉइंट पर तैनाती बदल दी गई और अन्य सुरक्षा गार्डों को बैरक में बुला लिया गया। मृतक की पहचान ओडिशा के बरगढ़ निवासी सुनील बाग के रूप में हुई है। वह एमजे कंपनी की सुरक्षा एजेंसी में गार्ड के पद पर कार्यरत था। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी राकेश मिश्रा ने बताया कि आरोपी चालक, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी कमला प्रसाद को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

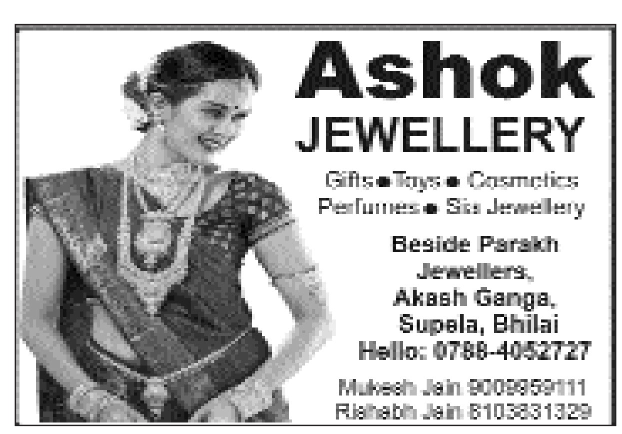

छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया के सामने लाना हमारा उद्देश्यः मुख्यमंत्री साय

500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश के साथ छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र में संभावनाएंः हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने दिखाई रुचि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निवेश से प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है।

बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है। प्रदेश की बेहतर मानसूनी परिस्थितियां, समृद्ध प्राकृतिक संपदा और निवेश अनुकूल नीति पर्यटन विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने निवेश प्रोत्साहन नीति तथा उपलब्ध इंसेंटिव्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई निवेशक 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है अथवा 1000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है, तो उसे 'बी-स्पोक पॉलिसी' के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन एवं विशेष लाभ प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं तथा पर्यटक सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बैठक में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, निवेश आयुक्त ऋतु सेन, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार, पर्यटन विभाग सचिव डॉ. एस. भारतीदासन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

खास खबर

जमीन पर बैठकर सुनी अचानकमार क्षेत्र के लोगों की फरियाद

रायपुर। मुंगेली जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में शासन की संवेदनशीलता और जनसरोकारों का प्रेरणादायी दृश्य उस समय देखने को मिला, जब प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कलेक्टर कुन्दन कुमार ग्राम शिवलखार पहुंचे और जमीन पर चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। वनांचल के ग्रामीणों से हुए इस आत्मीय संवाद ने प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी को पूरी तरह कम कर दिया। प्रमुख सचिव ने ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनी तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख सचिव के समक्ष रखीं। प्रमुख सचिव बोरा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वनांचल क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की पहुंच प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। आवास योजना से संबंधित एक ग्रामीण महिला की शिकायत पर प्रमुख सचिव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। इस दौरान प्रमुख सचिव ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का अवलोकन भी किया और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दौरान डीएफओ अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यहां अपने निवास कार्यालय में महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी ही नहीं बल्कि राष्ट्रचेतना, साहस और सामाजिक जागरण के प्रखर प्रतीक थे। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष और तपस्या में समर्पित किया। कठिन परिस्थितियों और यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत संकल्प कभी डगमगाया नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी मुखर होकर आवाज उठाई और सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का सतत प्रयास किया। उनकी लेखनी, विचार और कर्म आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित, आत्मगौरव और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर अपने विचारों से आज भी हमारी युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हमें उनके आदर्श पथ पर अग्रसर होते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा भी उपस्थित थे।

अरुण साव ने स्कूल भवन का किया भूमिपूजन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में हायर सेकंडरी स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने बताया कि स्कूल भवन के निर्माण के लिए 1 करोड़ 21 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। आज से निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि अनुबंध के अनुसार स्कूल भवन का 8 महीने में पूरा किया जाना है। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य समय से पहले और पूरी गुणवत्ता के साथ हो, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि जहां बच्चों का भविष्य तैयार होता है, उस स्कूल का अच्छा भवन बनना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

किस्ताराम और सिंदूरगुड़ा में लगा सुशासन शिविर

सुशासन तिहार से गांव-गांव पहुंच रही सरकारी सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार के तहत सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के ग्राम पंचायत किस्ताराम और सिंदूरगुड़ा में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों का निरीक्षण महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी ने किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं के लाभ का जायजा लिया और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष जताया।

शिविरों में ग्रामीणों को जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र मौके पर ही वितरित किए गए। सुश्री दीपिका सोरी ने स्वयं बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाकर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। इससे ग्रामीणों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है और समय व धन दोनों की बचत हो रही है।

शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक गोद भराई कराई गई। साथ ही छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी उत्साहपूर्वक संपन्न कराया गया। इन आयोजनों ने ग्रामीणों में आत्मीयता और अपनत्व का वातावरण देखा गया। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति शासन की संवेदनशीलता भी इस दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार प्रशासन स्वयं उनके गांव-द्वार पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में अब मिलेगी एनेस्थीसिया डॉक्टर की सेवा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की पदस्थापना नहीं होने के कारण सिजेरियन तथा मेजर सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण ऑपरेशन प्रभावित हो रहे थे। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। आयुक्त चिकित्सा शिक्षा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, स्व. लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ की एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. कुंती नायक की सेवाएं सप्ताह में दो दिवस, सोमवार एवं मंगलवार को जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में प्रदान करने की अनुमति दी गई है। इस निर्णय से जिला चिकित्सालय में सिजेरियन एवं अन्य जटिल ऑपरेशन की सुविधाएं बेहतर होंगी।

सुशासन तिहार 2026: कस्तूरा शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

किसानों को वितरित किए गए किसान किताब और फलदार पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड अंतर्गत ग्राम कस्तूरा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव ने हितग्राहियों को योजनाओं के तहत सामग्री प्रदान कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में कृषि विभाग द्वारा किसानों को किसान किताब वितरित की गई। साथ ही किसानों को आम, लीची एवं अन्य फलदार पौधों का वितरण कर बाड़ी विकास और उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों ने किसानों को वैज्ञानिक खेती एवं फलदार पौधों से अतिरिक्त आय अर्जित करने की जानकारी भी दी।

महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी शिविर में विशेष पहल की गई। मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन कार्य से जुड़ी महिलाओं को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल वितरित किए गए, जिससे उन्हें मछली संरक्षण एवं विपणन कार्य में सुविधा मिल सकेगी। महिलाओं ने शासन की इस पहल के प्रति खुशी जताते हुए कहा कि इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

शिविर में मनरेगा अंतर्गत तीन हितग्राहियों को जॉब कार्ड भी प्रदान किए गए। इनमें ग्राम कस्तूरा की सोनी कुमारी, आशा देवी एवं कमला बाई शामिल हैं। हितग्राहियों ने कहा कि जॉब कार्ड मिलने से अब उन्हें गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। ग्रामीणों ने सुशासन तिहार को जनहितकारी पहल बताते हुए कहा कि अब शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए दूर-दराज कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि प्रशासन स्वयं गांव तक पहुंचकर योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रहा है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिक्षा, संगठन और संस्कार से ही समाज की प्रगति संभवः वित्त मंत्री ओपी चौधरी

अघरिया और स्वर्णकार समाज के सामुदायिक भवनों का लोकार्पण, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी जांजगीर-चाम्पा जिले के कापन और नगर पंचायत बलौदा में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कापन में अखिल भारतीय अघरिया समाज के क्षेत्रीय सभा सह सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया। वहीं, बलौदा के जंगलवा डबरी में स्वर्णकार समाज के 'स्वर्ण मंडपम' सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि अघरिया समाज शिक्षा, कृषि और सामाजिक विकास के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता में ही निहित होती है। वहीं, पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े ने कहा कि यह नवनिर्मित भवन सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा।

नगर पंचायत बलौदा में आयोजित स्वर्ण मंडपम सामुदायिक भवन के लोकार्पण समारोह में वित्त मंत्री ने स्वर्णकार समाज द्वारा सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व सांसद कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

शिक्षा और संस्कारों से सशक्त बनेगी नई पीढ़ी

कापन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, शिक्षा समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा, संस्कार और अवसर उपलब्ध कराकर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। आयोजन समाज में एकजुटता, सकारात्मक सोच और सामुदायिक भावना को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

सुशासन तिहार बना किसानों का भरोसाः रूपसिंह नेताम को तत्काल मिली नई किसान किताब

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार अब आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की इस जनहितकारी पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी राहत और सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत आमाडोब पटपरी निवासी किसान रूपसिंह नेताम इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्हें सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध कराई गई।

दरअसल, किसान रूपसिंह नेताम की किसान किताब कुछ दिन पहले गुम हो गई थी। किसान किताब नहीं होने के कारण उन्हें कृषि कार्यों के संचालन, राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की चिंता थी, लेकिन सुशासन तिहार के तहत आमाडोब में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने उनकी परेशानी को आसान कर दिया। रूपसिंह नेताम ने किसान किताब की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन मिलते ही राजस्व विभाग ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा उन्हें तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध करा दी। प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही से किसान रूपसिंह नेताम बेहद प्रसन्न नजर आए। रूपसिंह नेताम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई बार दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शिविर के माध्यम से समस्याओं का समाधान सरल, सहज और समय पर हो रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950